

न्यूज विंडो

इसरो के नेविगेशन सैटेलाइट NVS-03 का सफल लॉन्च



श्रीहरिकोटा। ISRO ने अपना नेविगेशन सैटेलाइट NVS-03 लॉन्च किया है। इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से GSLV-F18 रॉकेट के जरिए शुक्रवार रात 11 बजकर 51 मिनट पर लॉन्च किया गया। उड़ान के करीब 18 मिनट बाद रॉकेट के तीनों चरण सफल रहे। इसके बाद 2,232 किलोग्राम वजनी यह सैटेलाइट रॉकेट से अलग होकर अपने तय ऑर्बिट में पहुंच गया। यह पूरे भारत और सीमा से 1,500 किलोमीटर दूर तक सटीक लोकेशन और नेविगेशन की सुविधा देगा। इसे बनाने की जरूरत 1999 के कारगिल युद्ध के बाद महसूस हुई थी।

आशुतोष दीक्षित ने वायुसेना प्रमुख के रूप में पदभार संभाला

नई दिल्ली। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आज भारतीय वायुसेना के नए प्रमुख का पदभार संभाला। उन्होंने एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह ली। अमर प्रीत सिंह 25 महीने के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह को अब तक तीन आधिकारिक विदाई दी जा चुकी हैं। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की और से आयोजित कार्यक्रम भी शामिल है। पद पर उनके आखिरी दिन आज उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी गई।

बेंगलुरु के 5-स्टार होटल के पूल में करंट, 2 विदेशियों की मौत

बेंगलुरु। यहां के 5-स्टार कॉनराड होटल के स्विमिंग पूल में करंट लगने से दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। घटना होटल की तीसरी मंजिल पर बने पूल में हुई। मृतकों की पहचान 57 साल के जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थाइस और 45 साल के स्लोवाकियाई नागरिक जुराज होवॉट के रूप में हुई है। दोनों होटल में ठहरे हुए थे। दोनों को बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी नागरिक और होटल का पूल अटेंडेंट घायल हो गए। दोनों को मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

तमिलनाडु में सरकारी नौकरी के लिए उम्र सीमा 5 साल बढ़ी

चेन्नई। तमिलनाडु के CM विजय ने सरकारी नौकरियों में सीधी भर्ती की अधिकतम उम्र 5 साल बढ़ा दी। नई उम्र सीमा 30 अक्टूबर 2026 से लागू होगी और 5 साल तक प्रभावी रहेगी। यह फैसला सरकारी नौकरी के उम्मीदवारों की मांग पर लिया। सरकार के मुताबिक, इससे उन अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा, जो उम्र सीमा के कारण आवेदन से वंचित होने वाले थे। आधिकारिक प्रेस रिलीज के मुताबिक, नई उम्र सीमा नियमों में तय मौजूदा सीमा के अलावा लागू होगी। यह आरक्षित वर्गों को पहले से मिल रही उम्र में छूट के अतिरिक्त होगी।

आज का कार्टून

'अंतिम क्षण तक जनता की सेवा में ही रहूंगा', 'बाप भी जाएगा' पर गुजरात से PM का जवाब

..फिर तो विपक्ष में बैठे-बैठे हम लोग बूढ़े ही हो जाएंगे?



दिल्ली के कारोबारियों को इंडिया ब्लॉक से आस, प्रमुख नेताओं को फिर लिखी चिट्ठी

एक ही गुहार... राजनीति के बाजार में मोहब्बत की दुकानें बंद मत कीजिए...

महारैली टालने के लिए कांग्रेस को समझाने की अपील, लाखों की भीड़ और हजारों वाहनों से 20 बाजारों का कारोबार ठप होगा

नई दिल्ली , एजेंसी

राजधानी दिल्ली में एक नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली को लेकर व्यापारियों ने चिंता जताई है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने राहुल, सोनिया गांधी के बाद अब अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव और उद्धव ठाकरे समेत विपक्षी नेताओं को चिट्ठी लिखकर 1 नवंबर को रैली टालने की अपील की है। संगठन का कहना है कि दिवाली के पीक सीजन में 10 लाख लोगों की भीड़ और हजारों वाहनों के दिल्ली पहुंचने से राजधानी के प्रमुख बाजारों में कारोबार प्रभावित होगा जिससे व्यापारियों की दिवाली खराब होने का खतरा है। इन नेताओं से अपील की गई है कि वे कांग्रेस और राहुल गांधी को रैली की तारीख आगे बढ़ाने के लिए समझाएं।

संगठन का दावा है कि वह राहुल गांधी को पहले भी तीन लेटर लिख चुका है, लेकिन 1 नवंबर को ही रैली आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है। राहुल ने रविवार को कर्नाट प्लेस से रामलीला मैदान तक मार्च की घोषणा करते हुए 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में राजनीतिक, छात्र संगठनों और सभी लोगों से आने की अपील की है। कारोबारियों का कहना है कि 6 नवंबर को धनतेरस और 8 नवंबर को दिवाली है। ऐसे में 1 नवंबर का दिन बाजारों में खरीदारी और सामान की आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम है। संगठन का दावा है कि रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली में करीब 10 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। इनके लिए 15 से 20 हजार वाहन दिल्ली पहुंच सकते हैं। कारोबारी संगठन के अनुसार रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में दिल्ली के

राहुल गांधी अड़े... कल कनाट प्लेस से रामलीला मैदान तक मार्च का ऐलान



रैली से पहले रामलीला मैदान में तैयारियां जोरों पर हैं।

पार्किंग और ट्रैफिक जाम को लेकर चिंताएं

सीटीआई का दावा है कि रामलीला मैदान में 200 बड़ी बसों तक की पार्किंग की पर्याप्त जगह नहीं है। ऐसे में रैली में आने वाले हजारों वाहनों को आसपास की सड़कों और बाजारों के नजदीक खड़ा करना पड़ सकता है। इससे मध्य दिल्ली और पुरानी दिल्ली में भीषण जाम लगने की आशंका है। आसपास के बाजारों में देशभर से व्यापारी खरीदारी करने आते हैं। दिल्ली के 56 औद्योगिक क्षेत्रों से रोजाना करीब 5 हजार ट्रक और टैंपो यहां माल पहुंचाते हैं, जबकि लगभग 3 हजार ट्रक यहां से NCR के शहरों और देश के दूसरे राज्यों में सामान लेकर जाते हैं। ट्रैफिक बाधित होने से माल की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

सीटीआई ने रैली के लिए दिए दो विकल्प: कारोबारियों के संगठन सीटीआई ने इंडिया गठबंधन के नेताओं से दो मांगें की हैं। पहली, 1 नवंबर को होने वाली महारैली को दिवाली के बाद 10-11 नवंबर या उसके बाद आयोजित किया जाए। दूसरी, अगर रैली की तारीख बदलना संभव नहीं है तो इसका स्थान रामलीला मैदान से बदलकर बुराड़ी मैदान किया जाए। उसका का दावा है कि बुराड़ी मैदान में करीब 15 हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था हो सकती है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गायल और संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने लेटर में कहा है कि व्यापारी राजनीतिक रैली का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि दिवाली के सबसे अहम कारोबारी समय में अपनी रोजी-रोटी बचाने की अपील कर रहे हैं।

करीब 20 प्रमुख थोक और खुदरा बाजार हैं। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, कर्नाट प्लेस, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, करोल बाग और

खड़गे के निवास पर 'सड़क पर संसद' कार्यक्रम, राहुल का भाषण होगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आज 'सड़क पर संसद' कार्यक्रम होगा। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पब्लिक महाभियोग लाया जाएगा। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं। यह कार्यक्रम पहले शुक्रवार को होने वाला था, लेकिन बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। पूरी सांकेतिक कार्यवाही की अध्यक्षता पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार करेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ यह सांकेतिक महाभियोग प्रस्ताव पेश करेंगे और समापन भाषण राहुल गांधी देंगे। इसमें सपा सीपीएम सहित INDIA गठबंधन की विभिन्न पार्टियों के नेता और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। विपक्ष 'वोट चोरी' के आरोपों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर यह सांकेतिक विरोध प्रदर्शन कर रहा है।

गफकार मार्केट जैसे बड़े कारोबारी केंद्र शामिल हैं। इन बाजारों में रोजाना 10 से 12 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होता है।

दिल्ली की जूता फैक्ट्री में आग, 4 की मौत

दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 में जूते की फैक्ट्री में देर रात भीषण आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत गंभीर है। रेस्क्यू टीम ने 6 लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला था। उन्हें संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, वहीं, 5 अन्य लोगों को बिल्डिंग के चौथे प्लेयर से रेस्क्यू किया गया। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चला है। आग बेसमेंट से शुरू हुई थी। जानकारी के अनुसार यह फैक्ट्री जूते-चप्पल बनाती और स्टोर करती है। आग बेसमेंट में लगी थी। फिलहाल आग पूरी तरह से बुझ गई है और क्लीनिंग प्रोसेस चल रहा है, अब अंदर कोई नहीं बचा है।



15 दिन पहले भी यहां हमले में 4 की गई थी जान

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर किया मिसाइल अटैक

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी।

इजराइल के आम चुनाव की जांच खुफिया एजेंसी मोसाद करेगी

तेल अवीव। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल हो रही है। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं।

पुरी ने भरा राज्यसभा का पर्चा...



भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। वे सुबह करीब 11:30 बजे विधानसभा भवन पहुंचे। नामांकन से पहले पुरी ने गुरुद्वारे में मत्था टेका और करुणा धाम आश्रम पहुंचकर सुदेश शांडिल्य से आशीर्वाद लिया। पुरी के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करते समय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और नरेंद्र शिवाजी पटेल और सुरेंद्र पटवा मौजूद रहे। उधर, नामांकन के दौरान विरोध की आशंका के बीच पुलिस ने युवा कांग्रेस के कई नेताओं को हिरासत में भी लिया।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिले 30 करोड़

बैतूल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बैतूल में तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बैतूल, छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम जिले के करीब 3 लाख 69 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को 30 करोड़ रुपए का बोनस वितरित किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 443 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल विशेष रूप से मौजूद रहे।

लोकतंत्र जनादेश से चलेगा, अराजकता के दबाव से नहीं

लोकतंत्र में सत्ता की चाबी जनता के हाथ में होती है। मतदान केंद्र पर खड़ा सामान्य नागरिक अपने एक मत से सरकार बनाता है, उसके काम का मूल्यांकन करता है और भविष्य की दिशा तय करता है। उसकी यह शक्ति किसी राजनीतिक दल की देन नहीं है। यह हमारे संविधान की व्यवस्था है, जिसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। इसीलिए लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रत्येक राजनीतिक दल से जनता को यह अपेक्षा करने का अधिकार है कि वह अपने व्यवहार में भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करे। लोकतंत्र के प्रति निष्ठा की परीक्षा सत्ता में रहते हुए भी होती है और विपक्ष में बैठकर भी। जनादेश का सम्मान सुविधा के अनुसार नहीं हो सकता। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में जीत का उत्सव और हार का आत्म-मंथन, दोनों आवश्यक हैं। जनता के निर्णय

से असहमति हो सकती है, लेकिन उसके विवेक का अनादर लोकतांत्रिक राजनीति को कमजोर करता है। राजनीतिक दलों को जनता का विश्वास अपने कार्य, विचार और आचरण से अर्जित करना चाहिए। विरोध की राजनीति में जनता का हित नहीं होता। एक सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की आवश्यकता है। सरकार से कठिन प्रश्न पूछना, नीतियों की कमियां उजागर करना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रश्नों का उत्तर दे और उचित मुझावों को स्वीकार करे। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श का केंद्र समाधान के स्थान पर निरंतर भय, अविश्वास और टकराव बनने लगे, तब उसका मूल्यांकन भी होना चाहिए। आज विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस हो रही है। इस बहस का केंद्र प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार और मतदाता सूची की विश्वसनीयता होना चाहिए। एक सही मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। उसमें नए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ें, गलत विवरण सुधरे और मृत अथवा दोहरी प्रविष्टियों का निराकरण निर्धारित प्रक्रिया से हो। साथ ही, किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने पर उसे सुधार का प्रभावी अवसर मिले।

जनता के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता की सुविधा और सुरक्षा के प्रति भी जवाबदेह होना होगा। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट होना चाहिए, शांतिपूर्ण विरोध को सम्मान मिले और हिंसा पर निषेध, विधिसम्मत कार्रवाई हो। मतदाता सूची पर बहस हो, लेकिन मतदाता के मन में भ्रम नहीं फैलाया जाना चाहिए। मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में जिस प्रकार से विपक्ष के लोगों ने देश में अराजकता फैलाने का काम किया है, वह राष्ट्रहित में नहीं है। हमारे संविधान में मतदाता को जो अधिकार दिये गये हैं, उसी से हमारे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। भारत के कुछ अंचलों में बाहरी लोगों का मतदाता बन जाना कहा का कानून है। यदि एसआईआर में मतदाता सूची का शुद्धीकरण हो रहा है तो विपक्ष को भी साथ देना चाहिए, न कि उसका विरोध करना चाहिए। मुझे इस बात पर भी आश्चर्य होता है कि विपक्ष ईवीएम का भी विरोध कर रहा है। हाल ही में चार बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार कर्नाटक में एमएलसी के चुनाव में वेलेट पेपर से मतदान हुआ। इन राज्यों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस को कितनी सीटें मिली यह सब जानते हैं। इसके बावजूद भी विपक्ष अपनी फितरत से बाज नहीं आता। मुख्यमंत्री के रूप में मेरा विश्वास है कि प्रदेश की

बाथरूम में गिरने से डायरेक्टर संजय गुप्ता का निधन

मुंबई। कांटें, काबिल, शूटआउट एट लोखंडवाला, मुंबई सागा जैसी बेहतरीन फिल्मों डायरेक्टर चंद चुके संजय गुप्ता का आज सुबह निधन हो गया। उन्होंने 23 अक्टूबर को 57वें जन्मदिन मनाया था। रिपोर्ट के अनुसार, डायरेक्टर 30 अक्टूबर को मुंबई स्थित घर के बाथरूम में गिरे थे, हालांकि इसकी जानकारी आज सुबह मिली। फिलहाल डायरेक्टर की मौत की असल वजह सामने नहीं आई है। संजय गुप्ता ने बॉलीवुड में क्राइम, गैंगस्टर ड्रामा, एक्शन और अंडरवर्ल्ड पर आधारित फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में अमिताभ बच्चन, संजय दत्त स्टारर कांटे, श्रुतिक रोशन की काबिल, संजय दत्त की जिंदा और जॉन अब्राहम की शूटआउट एट वडाला शामिल हैं।

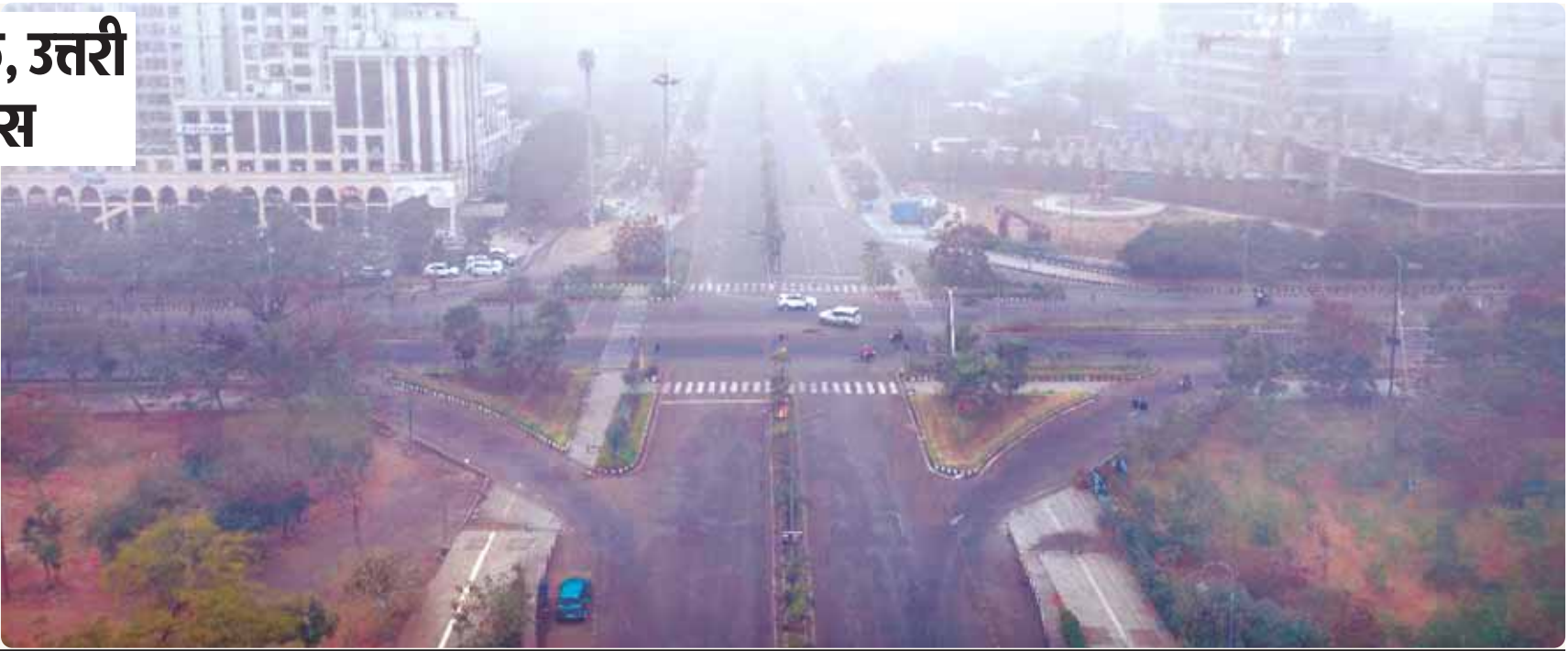
कार खाई में गिरने से दो महिलाओं सहित 4 की मौत

रामपुर / किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में आज बड़ा सड़क हादसा हुआ। टांपरी-जानी संपर्क सड़क से सुबह एक कार खाई में गिर गई। हादसे में मां-बेटे सहित चालक के भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

गुलाबी ठंड की दस्तक, उत्तरी हवा से सर्दी का अहसास

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में मौसम के बदले मिजाज से गुलाबी ठंड का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश का दौर चल रहा है, लेकिन ‘अर्नब’ तूफान के कमजोर होने के बाद भी मौसम पर असर दिखाई दे रहा है। मौसम में आए बदलाव से शहरवासियों की सुबह अब सर्दी का अहसास कराने लगी है। आज सुबह धूप न निकलने पर तड़के शहर में कई जगहों पर धुंध सा नजारा भी दिखाई पड़ा। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि भोपाल में फिलहाल बारिश की संभावना कम है। भोपाल से लगे रायसेन, सीहोर में धूप निकल सकती है। भोपाल में सुबह 7.54 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तरी हवा चली तो ठंडक का अहसास हुआ। सुबह का पारा 22 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि दो नवंबर को हल्की बारिश हो सकती है। लेकिन अब दिन और पारा गिरता जाएगा। ठंड बढ़ती जाएगी।



न्यूज विंडो

कल से एक घंटा पहले शाम 7 बजे बंद होगा जनजातीय संग्रहालय

भोपाल। जनजातीय संग्रहालय कल से रात 8 बजे के बजाय शाम 7 बजे बंद होगा। सर्दियों के मौसम को देखते हुए हर साल की तरह इस बार भी संग्रहालय के बंद होने के समय में एक घंटे की कटौती की गई है।खुलने का समय दोपहर 12 बजे ही रहेगा। यह व्यवस्था 31 जनवरी 2027 तक लागू रहेगी। 1 फरवरी से अक्टूबर तक संग्रहालय दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। श्यामला हिल्स स्थित संग्रहालय में छह दीर्घाओं के माध्यम से प्रदेश की जनजातियों के रहन-सहन, पारंपरिक आवास, कला, संस्कृति, खेल और धार्मिक मान्यताओं को प्रदर्शित किया गया है।

26 सिलेंडर और पांच बाइक चुराने वाले चोर गिरफ्तार

भोपाल। गोविंदपुरा पुलिस ने गैस गोदामों और मकानों को निशाना बनाकर सिलेंडर व बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने एक युवक और विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 26 गैस सिलेंडर और पांच बाइक बरामद की हैं। चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शक्तिनगर मार्केट से बिना नंबर की बाइक के साथ आरोपियों को दबोचा। उनके पास से बरामद बाइक चोरी की निकली। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने गोविंदपुरा और बागसेवनिा क्षेत्र से चार अन्य बाइक चोरी करना भी कबूल किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दो साल से फरार चल रहे दो हजार रुपए के इनामी आरोपी को राजस्थान के सीकर से गिरफ्तार किया है। आरोपी छोट्टे उर्फ अजय अहिंवार (20) निवासी बसई, बैरसिया घटना के बाद से ही फरार था। अप्रैल 2024 में 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जांच में अपहरण और बाद में दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाई गई थीं। आरोपी की लोकेशन सीकर में मिलने पर पुलिस टीम ने स्थानीय उद्योग नगर थाना पुलिस की मदद से 29 अक्टूबर की रात उसे गिरफ्तार किया। उसे जेल भेज दिया है।

100 करोड़ रुपए से बनना था सेंटर, स्थानीय कारोबार को भी मिलता बूस्टर

वंदे भारत का वाशिंग सेंटर संत हिरदाराम नगर में नहीं, अब निशातपुरा में बनेगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

वंदे भारत ट्रेनों के जिस वाशिंग सर्विस सेंटर का निर्माण संत नगर स्टेशन के समीप प्रस्तावित था, अब उसे निरस्त कर दिया गया है। अब इस स्टेशन के बजाय इसे 8 किलोमीटर दूर निशातपुरा स्टेशन के पास निर्मित करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से जहां संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर भविष्य में और अधिक विस्तार एवं इसी स्टेशन से अनेक शहरों के लिए वंदे भारत ट्रेन चलने की जो उम्मीद थी, वह भी धूमिल हो गई है। अगर 100 करोड़ से वंदे भारत वाशिंग सर्विस सेंटर बन जाता तो कई शहरों के लिए सीधे यहीं से ट्रेनों के प्रारंभ होने की भी उम्मीद थी। इससे यात्रियों की आवाजाही में इजाफा होता। ऐसे में



यहां यात्री सुविधाओं का विस्तार होता। स्थानीय कारोबार को भी बूस्टर मिलता। अब यह निशातपुरा में बनेगा। संत हिरदाराम नगर के लोगों का कहना है कि इस फैसले पर रेलवे को फिर से विचार करना चाहिए। रेलवे सलाहकार समिति के राष्ट्रीय सदस्य नितेश लाल का कहना है कि हिरदाराम नगर में वाशिंग

सेंटर के लिए पर्याप्त जगह है। यहां फिर से विचार करना चाहिए। वहीं, सिंधी अंबा यह निशातपुरा में बनेगा। संत हिरदाराम नगर के लोगों का कहना है कि इस फैसले पर रेलवे को फिर से विचार करना चाहिए। रेलवे सलाहकार समिति के राष्ट्रीय सदस्य नितेश लाल का कहना है कि हिरदाराम नगर में वाशिंग

भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों के बीच चौबीसी मान स्तंभ का शिलान्यास



भोपाल। सोनागिरी स्थित श्री पार्श्वनाथ जिनालय परिसर में नवीन चौबीसी मान स्तंभ का शिलान्यास भक्तिभाव से संपन्न हुआ। समाज प्रवक्ता सुनील जेनादिन अंशुल जैन ने बताया, आचार्य समय सागर महाराज के आशीर्वाद से राजस्थान के सफेद मार्बल से मान स्तंभ का निर्माण होगा। इसमें 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाएं रहेंगी। प्रतिष्ठाचार्य अविनाश भैया के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ शिलान्यास की धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुईं। इस दौरान अध्यक्ष अजीत सिंघी, सचिव राहुल, कोषाध्यक्ष अजय जैन भी मौजूद थे।

मेट्रो एंकर

कल रवि पुष्य नक्षत्र पर बरसेगा धन, ऑटोमोबाइल और सराफा बाजार को खास उम्मीद, बाइक-स्कूटर खरीदने उमड़ेंगे ग्राहक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भारतीय परंपरा में पुष्य नक्षत्र, खासकर जब यह रविवार को पड़ता है (जिसे रवि पुष्य योग कहा जाता है), खरीदारी के लिए बेहद शुभ माना जाता है। दोपहली से पहले इस बार 1 नवंबर रविवार को यह शुभ संयोग बन रहा है। इस वर्ष के इस त्यौहारी सीजन में वाहन खरीदारी के लिए 1 नवंबर का दिन ऑटोमोबाइल कारोबार के लिए बेहद खास है। रवि पुष्य नक्षत्र के कारण दोपहिया वाहन बाजार में बूम रहेगी। ग्राहक शुभ मुहूर्त में वाहन की खरीदी करेंगे। ऐसे में शहर के ऑटोमोबाइल डीलरशिप पर वाहन की बुकिंग, मॉडल की उपलब्धता व डिलीवरी को लेकर ग्राहक पर पहुंचेंगे।



इलेक्ट्रिक वाहनों की विशेष मांग, सोने-चांदी की खरीदी भी

इस बार ऑटोमोबाइल कारोबार के बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन की भी विशेष मांग बनी हुई है। पुष्य नक्षत्र पर सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहनों की खरीदारी को लेकर ग्राहकों में विशेष उत्साह देखा जाता है। इस बार भी दोपहिया वाहन सहित अन्य सेगमेंट के बाजार में इस खास शुभ मुहूर्त का

लाभ मिलने की पूरी संभावना है। खासकर उन ग्राहकों की दिलचस्पी रहेगी, जो नई बाइक या स्कूटर या ईवी वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं। इस समय ग्राहकों के पास किफायती बाइक, ज्यादा माइलेज वाले मॉडल और आधुनिक फीचर्स वाले स्कूटर जैसे विकल्प हैं।

नगर निगम में शिकायत, अनुमति रद्द करने की मांग

चंदनपुरा बाघ भ्रमण क्षेत्र में लग रहा टावर, गलत अनुमति से काटे पेड़

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कलियासोत बांध के डूब क्षेत्र, खुशीलाल अस्पताल के पीछे और चंदनपुरा बाघ भ्रमण क्षेत्र में पेड़ कटाई और टावर निर्माण को लेकर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायतकर्ता रशीद नूर खान ने कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त को शिकायत की है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि चंदनपुरा बाघ भ्रमण क्षेत्र में चल रहे टावर निर्माण के लिए ऐसी अनुमति का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें कार्यस्थल का पता अलग दर्शाया गया है।

उन्होंने इसे गंभीर पर्यावरणीय मामला बताते हुए तत्काल काम और पेड़ कटाई रुकवाने की मांग की है। शिकायतकर्ता रशीद नूर के मुताबिक, कल चंदनपुरा बाघ भ्रमण क्षेत्र के 13 शटर के पास पहुंचे। यहां टावर निर्माण हो रहा था। मौजूद इंजीनियर से अनुमति पत्र मांगा गया तो उसमें कार्यस्थल के रूप में चंदनपुरा बाघ भ्रमण क्षेत्र का पता दर्ज नहीं था। अनुमति पत्र में खुशीलाल अस्पताल के पीछे एवं कलियासोत बांध का डूब क्षेत्र अंकित होने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता ने इसी आधार पर पेड़ काटने की अनुमति की वैधता और उसके इस्तेमाल को लेकर जांच की मांग की है।



61 व 24 पेड़ों की कटाई की अनुमति का भी हवाला

शिकायतकर्ता ने नगर निगम उद्यान विभाग की दो अनुमतियों का भी उल्लेख किया है। इनमें 23 जुलाई 2026 की अनुमति में कलियासोत बांध डूब क्षेत्र में 61 पेड़ों की कटाई तथा 18 जून 2026 की अनुमति में खुशीलाल अस्पताल के पीछे 24 पेड़ों की कटाई की अनुमति दिए जाने का उल्लेख है। ये अनुमतियां मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के कार्यों से संबंधित बताई गई हैं। वहीं, नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार का कहना है कि फिलहाल ऐसी कोई शिकायत मेरे संज्ञान में नहीं आया है। यदि इलाके में गलत तरीके से पेड़ काटे गए हैं तो पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होगा, उस पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

तनाव में वैल्यू एडेड कोर्स के 35 हजार विद्यार्थी

परीक्षा से पहले सिलेबस आया बिना तैयारी कैसे होगी परीक्षा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विवि (बीयू) में पीजी सेकंड सेमेस्टर के विद्यार्थियों को बिना पढ़ाई और स्टडी मटेरियल के ही वैल्यू एडेड कोर्स की परीक्षा देनी होगी। एमए, एमएससी, एमकॉम और होम साइंस के करीब 35 हजार विद्यार्थी 4 नवंबर से शुरू होने वाली परीक्षाओं में पहली बार इस नए कोर्स का पेपर हल करेंगे। बता दें, सेमेस्टर की पढ़ाई के दौरान न तो विद्यार्थियों को नियमित कक्षाएं लगीं और न ही प्रोफेसर्स को अध्यापन के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश मिले। अब परीक्षा से चंद दिन पहले विश्वविद्यालय ने इसका सिलेबस जारी किया है। बीयू की परीक्षाएं 4 से 19 नवंबर तक चलेंगी। इसके लिए सात

कुलसचिव बोले-कोई दिक्कत नहीं होगी

बीयू के कुलसचिव प्रो. समर सिंह का कहना है, वैल्यू एडेड कोर्स का सिलेबस जारी किया है। स्टूडेंट्स को परेशानी नहीं होगी। परीक्षा सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से कराने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

जिलों में 50 से अधिक केंद्र बनाए गए हैं। ढाई सौ से अधिक कॉलेजों के विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा एक ही पाली में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने नकल रोकने निगरानी के लिए इंतजाम किए हैं।

मुख्यमंत्री को कारोबारियों ने लिखा पत्र

धूल-मिट्टी, जाम...व्यापारी बोले-दिवाली तक मेट्रो का काम बंद करो

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में दिवाली की तैयारियों के बीच मेट्रो निर्माण कार्य व्यापारियों के लिए चिंता का कारण बन रहा है। शहर में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्यों के चलते लग रहे लंबे जाम, धूल-मिट्टी और अव्यवस्थित यातायात का असर बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही पर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि मेट्रो निर्माण कार्य से त्योहार की खरीदारी प्रभावित होने के साथ कारोबारियों को आर्थिक नुकसान की आशंका है।

व्यापारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दिवाली तक मेट्रो निर्माण कार्य अस्थायी रूप से बंद रखने की मांग की है। शहर के जवाहर चौक, न्यू मार्केट, रायसेन रोड, पिपलानी, करोंद सहित पुराने और नए भोपाल के कई इलाकों में

दिवाली सबसे बड़ा कारोबारी अवसर, गंभीरता से सोचें

गोविंद गार्डन व्यापारी संघ अध्यक्ष रिकू भट्टेजा का कहना है, दिवाली सालभर का सबसे बड़ा कारोबारी अवसर है। व्यापारी त्योहार के लिए ब्याज पर कर्ज लेकर सामान भरते हैं। ऐसे में व्यापारियों पर कर्ज चुकाने व नुकसान का दबाव बढ़ सकता है। इसलिए अस्थायी रूप से काम बंद करने पर सोचना चाहिए।

मेट्रो की निर्माण कार्य चल रहा है। इससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और कई मार्गों पर जाम की स्थिति बन रही है। व्यापारियों का कहना है, ग्राहक बाजार आने से बच रहे हैं, जिसका सीधा असर बिक्री पर पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान: हर जनपद में बनेंगे वृंदावन गांव और गीता भवन

19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी, अब 2029 तक नशामुक्ति का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार सनातन संस्कृति, भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पबद्ध है। प्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास से लेकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और युवा पीढ़ी को नशे से बचाने तक कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। सरकार ने प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी का निर्णय लिया है। अब वर्ष 2029 तक ड्रम्स और नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोटेंगांव में श्रीमद्भगवत कथा यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पूज्य गोपीठाधीश्वर महंत विपिन बिहारी दास महाराज उपस्थित रहे।

भागवत कथा जीवन, मृत्यु-कर्म का वास्तविक अर्थ समझाती है

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भगवत पुराण चारों वेदों, 18 पुराणों और उपनिषदों के सार को समाहित करने वाला पवित्र ग्रंथ है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन, मृत्यु, कर्म और सदाचार का वास्तविक अर्थ समझाती है। परमात्मा से मिले जीवन और सांसारिक सद्गुणों का सतुल्य अर्थ समझाती है। भारतीय संस्कृति मनुष्य को अपने कर्तव्यों का पालन करने और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का गौरव पूरी दुनिया में स्थापित हो रहा है।



गांव-गांव तक पहुंचेगी गीता की शिक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने और धार्मिक वातावरण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी का निर्णय लिया गया है। नवसलवाद के विरुद्ध मिली सफलता के बाद अब वर्ष 2029 तक ड्रम्स और अन्य नशीले पदार्थों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचना और समाज को व्यसनमुक्त बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय मनुष्य को कर्म, कर्तव्य और श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। इसी भाव से प्रदेश में गीता जयंती को व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है। गांवों के साथ नगरीय निकायों में भी गीता भवन बनाने का संकल्प लिया गया है। इन भवनों में धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों के आयोजन के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध होगा।

मंडी बोर्ड ने जारी किए आदेश

किसानों के लिए छुट्टियों में भी खुलेंगी मंडियां, नहीं रुकेगी सोयाबीन-मक्का की खरीदी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने सोयाबीन और मक्का उत्पादक किसानों को राहत देने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। अब किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए मंडियों के दोबारा खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश की मंडियों को अवकाश के दिनों में भी खुला रखने की व्यवस्था की जा रही है। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज बेचने में होने वाली परेशानी से बचना और समय पर भुगतान प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराना है। मंडियों में कृषि उपज की बढ़ती आवक को देखते हुए सरकार ने अधिकारियों को खरीदी और विपणन व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश की मंडियों में इन दिनों अधिसूचित कृषि उपज की आवक अधिक मात्रा में हो रही है। ऐसे में किसानों के लिए समय पर अपनी उपज बेचना और उसकी राशि प्राप्त करना जरूरी है। सामान्य अवकाश के कारण मंडियां बंद रहने पर किसानों को अगले कार्यक्रम तक इंतजार करना पड़ सकता है। इससे उपज की बिक्री में देरी होने के साथ किसानों को आर्थिक और व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकार का मानना ​​है कि जब



मंडी बोर्ड के अधिकारियों को जिम्मेदारी

मंडी बोर्ड के सभी संयुक्त संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अवकाश के दिनों में भी किसानों के लिए मंडियों के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को मंडी स्तर पर आवश्यक तैयारियां करने और उपज के विपणन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने देने को कहा गया है। अवकाश के दिनों में मंडियों का संचालन सुचारु रखने के लिए अधिकारियों को अनुज्ञापिधारी व्यापारियों के साथ चर्चा और बैठक कर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। व्यवस्था ऐसी बनाने को कहा गया है, जिससे मंडी प्रांगण और उपमंडी प्रांगण में भी कृषि उपज के विपणन की गतिविधियां जारी रह सकें।

मंडियों में कृषि उपज की आवक अधिक हो, तब विपणन व्यवस्था लगातार जारी रहनी चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए अवकाश के दिनों में भी मंडियों को संचालित रखने का निर्णय लिया गया है।

केंद्र के समान डीआर देने की मांग

पेंशनरों की महंगाई राहत पर भेदभाव से भड़का आक्रोश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के पेंशनरों को महंगाई राहत देने में भेदभाव का आरोप लगाते हुए पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन ने 1 जुलाई 2026 से पेंशनरों को केवल 2 प्रतिशत महंगाई राहत देने के वित्त विभाग के आदेश को असंवैधानिक बताते हुए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर विरोध जताया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने कहा कि वित्त विभाग का आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित समानता के अधिकार के अनुरूप नहीं है। कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा है, जबकि पेंशनरों को 1 जुलाई 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई राहत देने का आदेश

समानता के अधिकार का उल्लंघन

सक्सेना ने बताया कि केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2026 से महंगाई भत्ते और राहत में 3 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि की है। ऐसे में राज्य के पेंशनरों को भी समान लाभ मिलना चाहिए। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने कहा कि सरकार को संविधान के समानता के सिद्धांत और सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले डीएस नकारा बनाम भारत स्टेट (1982) की भावना के अनुरूप आदेश में संशोधन करना चाहिए।

जारी किया गया है। इससे प्रदेश के पेंशनरों में निराशा और आक्रोश है। उन्होंने कहा कि पेंशनर भी उसी महंगाई का सामना कर रहे हैं, जिससे कर्मचारी प्रभावित हैं।

दिल्ली, मुंबई समेत कई बड़े शहरों में सप्लाई; किसानों को मिल रही प्री बुकिंग

ओबीसी महासभा ने उमंग सिंघार को लिखा पत्र

विस में गरमाएगा 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण का मुद्दा, कांग्रेस ला सकती है संकल्प अध्यादेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दिसंबर में होने वाले मध्य प्रदेश के विधानसभा के शीतकालीन सत्र में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठेगा। कांग्रेस विधायक दल की ओर से यह संकल्प प्रस्तुत किया जा सकता है कि भारत सरकार ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए आवश्यक प्रविधान करे। ओबीसी महासभा भी इसकी मांग कर रही है। उसने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से पत्र लिखकर मांग की है कि वह इससे संबंधित निजी विधेयक या संकल्प प्रस्तुत करें। कमल नाथ सरकार ने वर्ष 2019 में अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी नौकरियों में दिया जाने वाला 14 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर



दिया था। इसे संविधान द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक आरक्षण देने के आधार पर कोर्ट में चुनौती दी गई। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और सभी याचिकाओं को हाई कोर्ट जबलपुर एक साथ सुनवाई के लिए भेज दिया गया। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इसी वर्ष नो अक्टूबर को 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के प्रावधान को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया।

कांग्रेस की तैयारी

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए विशेष अनुमति याचिका दायर की मगर कमियों के कारण इसे स्वीकार नहीं किया। उधर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्पष्ट किया कि ओबीसी आरक्षण की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ी जाएगी। पार्टी पहले ही सरकार को ओबीसी के हित में सहयोग देने की घोषणा कर चुकी है। इसके बाद भी कोई ठोस पहल नहीं होती है तो फिर पार्टी कानूनी कदम उठाने से लेकर विधानसभा के मंच का उपयोग भी करेगी।

मेट्रो एंकर

दोगुनी कीमत पर बिक रहा सिवनी का जम्बो सीताफल

सिवनी , दोपहर मेट्रो

सिवनी जिले के भूतबंथानी क्षेत्र का जंबो सीताफल अपनी मिठास और बड़े आकार के कारण देश के कई बड़े शहरों के बाजारों तक पहुंच रहा है। जीआई टैग मिलने के बाद इसकी पहचान और मांग बढ़ी है। दिल्ली, आगरा, झांसी, बनारस, प्रयागराज, गोरखपुर, नागपुर, रायपुर और मुंबई तक यह सप्लाई किया जा रहा है। इस बार किसानों को पिछले साल के मुकाबले डेढ़ से दो गुना तक ज्यादा कीमत मिल रही है। फिलहाल गुणवत्ता और आकार के आधार पर एक कैंट से सीताफल 500 से 1,500 रुपये तक बिक रही है।

इस बार सीताफल के दाम पिछले साल के मुकाबले बढ़े हैं। पिछले साल एक कैंट के 400 से 800 रुपये तक मिल रहे थे, जबकि इस बार भाव 500 से



1,500 रुपये तक पहुंच गया है। फल के आकार और गुणवत्ता के आधार पर कीमत तय हो रही है। व्यापारी दूसरे राज्यों से भूतबंथानी पहुंचकर सीधे किसानों और संग्रहकों से खरीदी कर रहे हैं। कई जगह बुकिंग के जरिए ही फलों की बिक्री हो रही है। इससे किसानों को उपज बाजार तक पहुंचाने में लगने वाला समय और

परिवहन खर्च बच रहा है।

जिले में करीब 695 हेक्टेयर क्षेत्र में सीताफल के बगीचे हैं। यहां 6,090 मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग गणना में 8.25 लाख से अधिक सीताफल के पेड़ सामने आए हैं। पिछले 3 सालों में 250 हेक्टेयर क्षेत्र में नए

गूदे से बनते हैं रबड़ी, बासुंदी और आइस्क्रीम

सीताफल के गूदे से रबड़ी, बासुंदी, शेक, आइसक्रीम और मिठाइयां बनाई जा सकती हैं। जिले में पल्प प्रोसेसिंग की तीन युनिट्स हैं। इससे फल को प्रोसेस करके उत्पादों के रूप में बाजार तक पहुंचाने की संभावनाएं हैं। किसानों और आदिवासी संग्रहकों को संगठित करने के इससे आने वाले समय में किसानों की आय लिमिटेड सहित दो किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाए गए हैं। उद्यानिकी विभाग की

उपसंचालक आशा उपवंशी के अनुसार, जीआई टैग मिलने के बाद सीताफल की पहचान और बाजार विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। कंपनी गार्डन के बाहर बिक्री काउंटर भी शुरू किया गया है। विभाग का फोकस सीताफल की बेहतर ब्रांडिंग, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग पर है। इससे आने वाले समय में किसानों की आय बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित होने की संभावना है।

ग्राम से एक किलोग्राम तक पहुंच गया। हालांकि, कम बारिश के कारण कुल उत्पादन प्रभावित हुआ है। सीजन आगे बढ़ने के साथ फलों का आकार भी छोटा होने लगा है। खेरमत्तकाल के किसान राजकुमार भलावी के अनुसार, उद्यानिकी विभाग के बिक्री काउंटर के माध्यम से लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं।



डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने दिए निर्देश

गांवों में ही मिलेगी विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह, ई-संजीवनी के 2,723 केंद्रों को दुरुस्त करने की तैयारी

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को अब विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के लिए शहरों के अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य सरकार ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा को अधिक प्रभावी बनाने की तैयारी में जुट गई है। इसके तहत प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों में इंटरनेट, बिजली, उपकरण और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय में योजना की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं में कमियों को प्रार्थमिकता से दूर करने और निष्क्रिय केंद्रों को दोबारा सक्रिय करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच ई-संजीवनी के माध्यम से 59,914 सामान्य चिकित्सकीय परामर्श और 10,890 विशेषज्ञ परामर्श दर्ज किए गए। कुल 70,804 परामर्श इस अवधि में दिए गए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि टेलीमेडिसिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसका उद्देश्य मरीजों को समय पर उचित चिकित्सकीय सलाह उपलब्ध कराना है। बैठक में अगस्त-सितंबर

चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ई-संजीवनी केंद्रों पर निर्धारित समय-सारणी के अनुसार चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। मरीजों को परामर्श के लिए अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़े। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं को सक्रिय करने, सेवाओं की नियमित निगरानी करने और निष्क्रिय केंद्रों को दोबारा शुरू करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। ई-संजीवनी सेवा की सफलता के लिए चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण भी महत्वपूर्ण माना गया है। उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), मेडिकल ऑफिसर्स और बॉन्डेड चिकित्सकों को सेवा की प्रक्रिया तथा तकनीकी संचालन का नियमित प्रशिक्षण देने को कहा।

2025 में किए गए स्वास्थ्य केंद्रों के सुविधा तत्परता आकलन की जानकारी भी दी गई। इसमें इंटरनेट कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति और प्रशिक्षण से जुड़ी कमियां सामने आई थीं। कुल 2,723 उप स्वास्थ्य केंद्र ऐसे चिह्नित किए गए, जहां केवल एक मूलभूत सुविधा की कमी है।

अं तरराष्ट्रीय संबंधों की दुनिया में स्थायी मित्र और शत्रु कम, राष्ट्रीय हित अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। कूटनीति का यही व्यावहारिक सच देशों को समय-समय पर अपने पुराने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। भारत के प्रति तुर्की का हालिया बदला हुआ स्वर भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में खड़े होने वाले तुर्की की ओर से अब भारत के साथ संबंध सुधारने की इच्छा जताई जा रही है। भारत में तुर्की के राजदूत अली मूरत एरसोय का यह

कहना कि भारत और तुर्की हमेशा एकदूसरे से दूर नहीं रह सकते, संबंधों में नई शुरुआत का संकेत देता है। तुर्की के राष्ट्रीय दिवस समारोह में विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव (दक्षिण यूरोप) अल्पना दुबे की मौजूदगी भी इस दिशा में एक कूटनीतिक संदेश है। पिछले वर्ष भारत की ओर से ऐसी भागीदारी नहीं हुई थी। इस बार भारत ने आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के प्रति अपनी शून्यसहिष्णुता की नीति भी स्पष्ट की। हालांकि,

दोस्ती या दुश्मनी?

रिशतों की मरम्मत केवल समारोहों में हाथ मिलाने और सद्भावना के वक्तव्यों से नहीं होती। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगान का कश्मीर मुद्दे पर बार-बार पाकिस्तान के पक्ष में बोलना भारत की चिंताओं का आधार रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्की का रुख भी इन आशंकाओं को गहरा कर चुका है। ऐसे में भारत के लिए केवल कूटनीतिक विनम्रता पर्याप्त नहीं, बल्कि तुर्की के व्यवहार में निरंतरता और विश्वसनीयता देखना जरूरी है। भारत और तुर्की के बीच व्यापार, संपर्क, सिनेमा

और जलवायु तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं हैं। दोनों देशों के आर्थिक हित संवाद का रास्ता खोल सकते हैं, लेकिन आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रश्नों पर स्पष्टता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत की विदेश नीति भावनाओं से नहीं, राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक विवेक से संचालित होती है। इसलिए तुर्की की पहल को न तो तुरंत विश्वास का प्रमाण मानना चाहिए, न ही संवाद के दरवाजे बंद करने चाहिए। रिशतों की असली परीक्षा शब्दों में नहीं, कठिन समय में लिए गए फैसलों में होती है।

जागरूकता बढ़ाने की भूमिका... सिनेमा समाज को संवारे या सोच बिगाड़े

डॉ. सत्यवान सौरभ

रत्नभकार



भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज की सोच, संवेदनाओं, मान्यताओं और व्यवहार को प्रभावित करने वाली एक सशक्त सांस्कृतिक शक्ति है। भारत जैसे बहुभाषी, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश में सिनेमा सामाजिक चेतना के निर्माण, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और जनमत को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्दे पर दिखाई जाने वाली कहानियाँ कभी समाज की रुढ़ियों को चुनौती देती हैं, तो कभी अनजाने में उन्हीं रुढ़ियों को मजबूत भी करती हैं। इसलिए सिनेमा का मूल्यांकन केवल उसकी लोकप्रियता या व्यावसायिक सफलता के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले उसके व्यापक प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिए। सिनेमा की सबसे बड़ी सकारात्मक भूमिका सामाजिक समस्याओं को जनचर्चा का विषय बनाना है। समाज में अनेक ऐसी समस्याएँ मौजूद रहती हैं, जिन्हें लोग व्यक्तिगत अनुभव के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उनके व्यापक सामाजिक स्वरूप को समझ नहीं पाते। फिल्ममें इन समस्याओं को मानवीय कहानियों के माध्यम से सामने लाकर लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। अमिर खान की फिल्म तारे जमीन पर ने बच्चों में डिस्लेक्सिया जैसी सीखने संबंधी कठिनाइयों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसने शिक्षा व्यवस्था को यह संदेश दिया कि प्रत्येक बच्चा अलग क्षमता और सीखने की शैली रखता है। बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को पहचानना आवश्यक है। इसी प्रकार, पैडमैन ने मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषय पर सामाजिक चुप्पी तोड़ने और जागरूकता बढ़ाने में भूमिका निभाई।

महिलाओं की गरिमा, समानता और अधिकारों के संदर्भ में भी भारतीय सिनेमा ने उल्लेखनीय हस्तक्षेप किया है। फिल्म पिक ने सहमति के प्रश्न को केंद्र में रखकर स्पष्ट किया कि किसी महिला का पहनावा, उसका सामाजिक व्यवहार अथवा किसी स्थान पर उसकी उपस्थिति उसकी सहमति का विकल्प नहीं हो सकती। इसी तरह थपड़ ने घरेलू हिंसा और वैवाहिक संबंधों में सम्मान के महत्व पर प्रश्न उठाए। ऐसी फिल्में उन सामाजिक धारणाओं को चुनौती देती हैं, जिनमें परिवार की प्रतिष्ठा के नाम पर महिलाओं से अन्याय सहने की अपेक्षा की जाती है। हालाँकि किसी फिल्म से सामाजिक परिवर्तन अपने आप नहीं आता, लेकिन वह परिवर्तन के लिए आवश्यक वैचारिक जमीन अवश्य तैयार कर सकती है। जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के विरुद्ध चेतना जगाने में भी सिनेमा की भूमिका महत्वपूर्ण है। अनुभव सिन्हा की आर्टिकल 15 ने जातिगत भेदभाव, सामाजिक वंचना और संस्थागत असमानताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसने दर्शकों को यह समझने का अवसर दिया कि संवैधानिक समानता के बावजूद सामाजिक व्यवहार में भेदभाव की चुनौतियाँ बनी रह सकती हैं। जब फिल्मों में वंचित समुदायों के संघर्ष, आकांक्षाओं और अनुभवों को स्थान मिलता है, तब समाज के उन वर्गों की आवाज भी व्यापक दर्शक समुदाय तक पहुँचती है, जिन्हें प्रायः मुख्यधारा की चर्चाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता।



राष्ट्रीय एकता और सामूहिक पहचान को मजबूत करने में भी सिनेमा प्रभावी माध्यम है। चक दे ! इंडिया ने विविध क्षेत्रीय और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाली महिला खिलाड़ियों की टीम के माध्यम से सहयोग, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया। वहीं रंग दे बसंती ने युवाओं को नागरिक जिम्मेदारी, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। ऐसी कहानियाँ बताती हैं कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी निभाने से भी प्रकट होता है। क्षेत्रीय सिनेमा भी इस दिशा में महत्वपूर्ण है। कांतारा ने तटीय कर्नाटक की स्थानीय परंपराओं, लोकविश्वासों और प्रकृति से जुड़े सांस्कृतिक संबंधों को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुँचाया। इससे क्षेत्रीय भाषाओं और लोकसंस्कृतियों के प्रति रुचि बढ़ सकती है। लेकिन सिनेमा का दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। मनोरंजन और व्यावसायिक सफलता की होड़ में कुछ फिल्मों में सामाजिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देने के बजाय उन्हें दोहराती हैं। जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदायों को एकान्गी रूप में दिखाते से दर्शकों के मन में गलत धारणाएँ मजबूत हो सकती हैं। किसी पूरे समुदाय को अपराध, हिंसा या पिछड़ेपन से जोड़कर प्रस्तुत करना सामाजिक अविश्वास बढ़ा सकता है। विशेष रूप से संवेदनशील धार्मिक और राजनीतिक विषयों पर एकतरफा चित्रण सामाजिक

धुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है। हालाँकि विवादास्पद विषयों को दिखाना अपने आप में अनुचित नहीं है, लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों, सामाजिक संदर्भों और मानवीय जटिलताओं की उपेक्षा गंभीर समस्या बन सकती है। हिंसा का महिमामंडन भी चिंता का विषय है। जब फिल्मों में बदला लेने, हथियारों के इस्तेमाल, कानून को अपने हाथ में लेने और आक्रामक व्यवहार को बार-बार वीरता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है,

तो कुछ दर्शकों में हिंसा के प्रति संवेदनशीलता कम होने का जोखिम पैदा हो सकता है। विशेषकर किशोर दर्शक पात्रों की नकल करने या उनके व्यवहार को आदर्श मानने की कोशिश कर सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हिंसक दृश्य देखने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंसक बन जाता है, बल्कि यह है कि लगातार दोहराए जाने वाले संदेश सामाजिक व्यवहार और धारणाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

अंततः, सिनेमा न तो अपने आप समाज का उद्धार कर सकता है और न ही हर सामाजिक बुराई के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। उसका प्रभाव दर्शकों की आयु, सामाजिक परिवेश, शिक्षा और व्यक्तिगत अनुभवों के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। फिर भी, यह निर्विवाद है कि सिनेमा में सामाजिक संवाद शुरू करने, संवेदनशीलता विकसित करने और स्थापित मान्यताओं पर प्रश्न उठाने की उल्लेखनीय क्षमता है। आवश्यकता ऐसे सिनेमा की है, जो मनोरंजन के साथ विवेक, लोकप्रियता के साथ जिम्मेदारी और रचनात्मक स्वतंत्रता के साथ मानवीय गरिमा को भी महत्व दे। जब पर्दे की कहानियाँ समाज को बाँटने के बजाय जोड़ेंगी, भेदभाव को सामान्य बनाने के बजाय चुनौती देंगी और हिंसा के बजाय सहानुभूति को प्रतिष्ठित करेंगी, तभी सिनेमा भारत के सामाजिक ताने-बाने को अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और संवेदनशील बनाने में अपनी वास्तविक भूमिका निभा सकेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

खाना खाने के बाद पेट भारी लगना, बार-बार अपच होना, पेट फूलना या भूख कम लगना जैसी समस्याओं को अक्सर लोग गैस, एसिडिटी या खराब खानपान का नतीजा मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार ये परेशानियाँ सामान्य पाचन संबंधी समस्याओं के कारण होती हैं, लेकिन यदि लक्षण लगातार बने रहें, बढ़ने लगें या इनके साथ बिना कोशिश वजन कम होने लगे, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। कुछ मामलों में ये पेट के कैंसर के संकेत भी हो सकते हैं।

पेट का कैंसर तब विकसित होता है, जब पेट की अंदरूनी परत की कोशिकाएँ असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं। शुरुआती अवस्था



में इसके लक्षण बहुत हल्के हो सकते हैं या दिखाई ही नहीं देते। इसी वजह से इसे समय रहते पहचानना चुनौतीपूर्ण होता है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, शुरुआती पेट के कैंसर में अपच, पेट में असहजता, भोजन के बाद पेट फूलना, हल्की मतली और भूख कम लगने जैसे लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, इन लक्षणों का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को कैंसर ही है।यदि पहले आप सामान्य मात्रा में खाना खा लेते थे, लेकिन अब कुछ निवाले खाने के बाद ही पेट भार हुआ महसूस होने लगे, तो इस बदलाव पर ध्यान देना चाहिए। कुछ मामलों में पेट के कैंसर में भी

यह लक्षण दिखाई दे सकता है, हालांकि इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। यदि आपने खानपान में बदलाव नहीं किया, व्यायाम नहीं बढ़ाया और फिर भी वजन लगातार घट रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन कम होना पेट के कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है। पेट के कैंसर में भूख कम लगने, थोड़े भोजन से पेट भर जाने और पाचन संबंधी परेशानी के कारण व्यक्ति कम खाना खा सकता है। हालांकि, वजन कम होने के पीछे थायरॉइड की समस्या, डायबिटीज, संक्रमण, तनाव और दूसरी स्वास्थ्य स्थितियाँ भी हो सकती हैं। इसलिए डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

भूख कम होना और लगातार कमजोरी: कई दिनों तक भूख कम लगना, खाने में रुचि घट जाना या सामान्य से जल्दी थकान

महसूस करना भी ध्यान देने योग्य बदलाव है। पेट के कैंसर में भूख कम होने के साथ मलती, पेट में परेशानी और जकड़ी पेट भरने जैसे लक्षण हो सकते हैं। पर्याप्त भोजन नहीं मिलने से कमजोरी भी महसूस हो सकती है। कुछ मामलों में पाचन तंत्र में थोरे-थोरे रक्तस्राव होने से खून की कमी यानी एनीमिया हो सकती है। इससे थकान, कमजोरी, चक्कर आना या सांस फूलना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। मल का काला, चिपचिपा या तारकाल जैसा दिखाई देना पाचन तंत्र में रक्तस्राव का संकेत हो सकता है। इसी तरह उल्टी में ताजा खून या कॉफी के चूरे जैसा गहरा पदार्थ दिखना भी गंभीर लक्षण है। यह समस्या अक्सर, कुछ दवाओं और पाचन तंत्र की अन्य समस्याओं से भी हो सकती है, लेकिन कुछ मामलों में पेट के कैंसर की ओर भी इशारा करती है।

सुविचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धन आपका अच्छा व्यवहार है, क्योंकि यही लोगों के दिलों में आपकी सुंदर पहचाना बनाता है ।

–अज्ञात

निशाना

अपना ही घर फूंक चले थे बंदे वो कुछ और रहे



दिनेश मालवीय 'अश्क'

बाहर किसको चोर कहूँ खुद में ही कितने चोर रहे सच की राह पे चलने के संकल्प बड़े कमजोर रहे। जिन्हें सीकरी से कुछ भी न काम रहा इक पल को था अपना ही घर फूँक चले थे बंदे वो कुछ और रहे। जिनकी तारीफों से पन्ने इतिहासों के रंगे हुये उनकी बदचलनी के क्रिस्से थी काफ़ी घनघोर रहे। नयी सदी में रहने वाली दुनिया थी फूली काफ़ी कई पुरानी सदियों के मंज़र उसको झखझोर रहे। कोई कहीं नहीं बदला सबकुछ वैसा का वैसा है बदलावों के कान फोड़ने वाले लेकिन शोर रहे।

वायरल कंटेंट

चर्चा में प्रेम कहानी...सात साल कोमा में रही प्रेमिका, प्रेमी ने नहीं छोड़ा इंतजार

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक प्रेम कहानी का वीडियो लोगों को भावुक कर रहा है। वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि एक युवक ने अपनी प्रेमिका के सात साल तक कोमा में रहने के दौरान उसका इंतजार किया। उसने इस मुश्किल दौर में भी उसका



साथ नहीं छोड़ा और उसके ठीक होने की उम्मीद बनाए रखी। दावा है कि जब युवती को सात साल बाद होश आया, तो युवक ने अस्पताल में ही उसकी मांग में सिंदूर भर दिया। इस दृश्य को देखकर सोशल मीडिया पर लोग इसे सच्चे प्यार और समर्पण की मिसाल बता रहे हैं।

अस्पताल के बिस्तर पर भरी मांग: वायरल वीडियो में एक युवती अस्पताल के बिस्तर पर लेटी दिखाई देती है। उसके सिर पर लाल रंग की चुनरी रखी नजर आती है। इसी दौरान एक युवक उसके पास आता है और उसकी मांग में सिंदूर भरता दिखाई देता है। इस भावुक पल में युवती की आंखों में आंसू भी नजर आते हैं। वीडियो देखने वाले लोग इस दृश्य को प्रेम, विश्वास और लंबे इंतजार से जोड़ रहे हैं। वीडियो के साथ किए जा रहे दावे के मुताबिक, युवती सात साल तक कोमा में रही। इस दौरान उसके प्रेमी ने उसका साथ नहीं छोड़ा और उसके होश में आने की उम्मीद लगाए रखी। दावा यह भी है कि युवती के ठीक होने के बाद दोनों ने शादी कर ली।

लोगों ने बताया सच्चे प्यार की मिसाल: आज के दौर में जब रिश्तों में भरोसे और वफादारी को लेकर अक्सर सवाल उठते हैं, तब इस तरह की कहानी लोगों का ध्यान खींच रही है। वीडियो देखने वाले कई यूजर्स इसे सच्चे प्यार की मिसाल बता रहे हैं। उनका कहना है

कि किसी मुश्किल परिस्थिति में अपने साथी का साथ निभाना ही रिश्ते की असली परीक्षा होती है। वीडियो में सिंदूर भरने का दृश्य देखकर कई लोग भावुक हो रहे हैं। कुछ इसे प्यार की ताकत बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि अगर यह कहानी सच है, तो युवक का धैर्य और समर्पण काबिल-ए-तारीफ है।

वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग अंदाज में प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लड़कियों ने मजाकिया लहजे में लिखा कि आखिर ऐसे लड़के मिलते कहां हैं? कुछ यूजर्स ने कहा कि उन्हें भी ऐसा जीवनसाथी चाहिए, जो हर परिस्थिति में उनका साथ दे। वहीं, कुछ लोगों ने भावुक कर देने वाले वीडियो के साथ किए गए दावों को लेकर सावधानी बरतने की बात कही। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हर कहानी को बिना पुष्टि सच नहीं मानना चाहिए। फिलहाल, यह वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

रत्नभकार



भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता से देश की दिशा बदल दी। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, स्वतंत्रता के बाद विखरी हुई रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखने वाले महान शिल्पकार भी थे। इसी योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 31 अक्टूबर को देशभर में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाई जाती है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, स्वाभिमानी और मेहनती थे। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त की। कानून की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में वकालत शुरू की और शीघ्र ही एक सफल वकील के रूप में पहचान बना ली। लेकिन उनके मन में केवल व्यक्तिगत सफलता पाने की इच्छा नहीं थी। देश की गुलामी और आम लोगों की परेशानियाँ उन्हें भीतर तक प्रभावित करती थीं।

महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सफल वकालत छोड़ दी और देशसेवा में जुट गए। वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों की फसल खराब हो गई थी। इसके बावजूद अंग्रेज सरकार उनसे लगान वसूलना चाहती थी। पटेल ने किसानों को संगठित किया और लगान माफी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर सरकार का विरोध किया। अंततः अंग्रेज सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना पड़ा। इस आंदोलन ने पटेल को एक जननेता के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान बढ़ा दिया था जबकि वे पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पटेल ने गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। किसानों की एकजुटता और पटेल के दृढ़ नेतृत्व के सामने अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी। तभी से वे सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों का भारत में विलय कराना था। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब देश केवल अंग्रेजों से मुक्त नहीं

भारत का वह महानायक जिसकी दृढ़ता के आगे झुक गई सैकड़ों रियासतें

हुआ था बल्कि उसके सामने एक और बड़ी चुनौती थी। देश में 562 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतें थी, जिनमें से कुछ भारत में शामिल होना चाहती थी जबकि कुछ स्वतंत्र रहना या पाकिस्तान में जाना चाहती थी। यदि इन रियासतों का भारत में विलय नहीं होता तो देश की एकता और सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उस समय सरदार पटेल देश के उपप्रधानमंत्री और गुहमंत्रि थे। उन्होंने वी.पी. मेनन के सहयोग से रियासतों के शासकों से बातचीत शुरू की। उन्होंने उन्हें समझाया कि स्वतंत्र भारत में सभी राज्यों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा है। उन्होंने संवाद, समझदारी, कूटनीति और आवश्यकता पड़ने पर कठोर

निर्णयों के माध्यम से अधिकांश रियासतों को भारत में शामिल कराया। यह कार्य आसान नहीं था लेकिन पटेल ने असाधारण धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।

जुनागढ़ और हैदराबाद का भारत में विलय उनकी राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। जुनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का निर्णय लिया था जबकि वहां की अधिकांश जनता भारत में शामिल होना चाहती थी। भारत सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए और अंततः जनमत संग्रह के माध्यम से जुनागढ़ का भारत में विलय हुआ। हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था। वहां रजाकारों की गतिविधियों से आम जनता में भय का माहौल था। बातचीत से समाधान नहीं निकलने पर



सितंबर 1948 में भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे 'ऑपरेशन पोलो' कहा गया। पांच दिनों के भीतर हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। इस प्रकार सरदार पटेल ने देश की एकता के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों का समाधान किया।

15 दिसंबर 1950 को मुंबई में सरदार पटेल का निधन हो गया। वर्ष 1991 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का लोकार्पण किया गया। यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और उनके महान योगदान की याद दिलाती है। आज भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। हमारी यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन इस ताकत को बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना जरूरी है। सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बार-बार अपच, भूख कम लगना और वजन घटना... पेट की गंभीर बीमारी के संकेत

नॉलेज स्टोरी

चीजकेक फैक्ट्री कैसे बनी ट्रंप और ओबामा की सियासी जंग का मुद्दा?

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के बीच इन दिनों एक अनोखा राजनीतिक विवाद चर्चा में है। इसकी वजह न कोई युद्ध है, न विदेश नीति और न ही व्यापारिक टैरिफ, बल्कि अमेरिका की लोकप्रिय रेस्टोरेंट चेन 'चीजकेक फैक्ट्री' है। व्हाइट हाउस के लेक्टर ओबामा ने ट्रंप पर तंज कसा और उनकी तुलना इराक के पूर्व तानाशाह सद्दाम हुसैन से कर दी। जवाब में ट्रंप ने रेस्टोरेंट की तारीफ करते हुए ओबामा पर सफल कंपनियों को पसंद नहीं करने का आरोप लगाया। यह विवाद अब अमेरिकी राजनीति और मिडटर्म चुनाव की बहस का हिस्सा बन गया है।

24 अक्टूबर 2026 को ओहायो में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली में ओबामा ने ट्रंप के कामकाज पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का ध्यान देश की समस्याओं के बजाय व्हाइट हाउस की सजावट और निर्माण कार्यों पर ज्वाब है। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि ट्रंप को घरों की सजावट से जुड़े टीवी चैनल एचजीटीवी पर अपना शो शुरू करना देना चाहिए।

ओबामा ने व्हाइट हाउस में प्रस्तावित बॉलरूम, रोज गार्डन में बदलाव, साउथ लॉन पर हेलीकॉप्टर पैड और ओवल ऑफिस में सोने जैसी चमकदार सजावट का उल्लेख किया। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि

चीजकेक फैक्ट्री कैसे बनी ट्रंप और ओबामा की सियासी जंग का मुद्दा?

व्हाइट हाउस का रूप ऐसा हो गया है, मानो सद्दाम हुसैन ने वहां चीजकेक फैक्ट्री खोल ली हो। उनका निशाना ट्रंप की भव्य और दिखावटी सजावट की शैली थी।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस के परिसर और अंदरूनी हिस्सों में कई बदलाव करा रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख बड़ा बॉलरूम बनाने की योजना है। ट्रंप ने इसकी लागत करीब 400 मिलियन डॉलर बताई है, जबकि

एक टेक्रेदार के आंतरिक अनुमान में 600 मिलियन डॉलर तक खर्च होने की बात सामने आई। ये अलग-अलग अनुमान हैं, अंतिम खर्च का प्रमाणित आंकड़ा नहीं। इसके अलावा ओवल ऑफिस में सुनहरे रंग की सजावटी चीजें लगाई गई हैं। रोज गार्डन के स्वरूप में बदलाव और साउथ लॉन पर हेलीकॉप्टर पैड बनाने का काम भी चर्चा में है। ट्रंप इन बदलावों को व्हाइट हाउस की सुंदरता और सुविधाएं बढ़ाने के लिए जरूरी बता रहे हैं। 26 अक्टूबर को मिसिसिपी की चुनावी रैली में ट्रंप ने ओबामा की टिप्पणी का जवाब दिया। उन्होंने चीजकेक फैक्ट्री को सफल कंपनी बताते हुए कहा कि ओबामा सफल कंपनियों को पसंद नहीं करते। चीजकेक फैक्ट्री अमेरिका की लोकप्रिय रेस्टोरेंट चेन है।



संस्कृति राज्यमंत्री के पिता दादा भाव सिंह लोधी ने किया शुभारंभ, 51 हजार रुपए की सहयोग राशि दी, 200 से अधिक लोग बने सदस्य - सुंदरकांड, गायत्री महायज्ञ और कन्या भोज के साथ हुई शुरुआत

तेंदूखेड़ा में मानवता की मिसाल बनी मां अन्नपूर्णा रसोई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा में गरीब, मजदूर, किसान और जरूरतमंद लोगों के लिए एक सराहनीय और अनुकरणीय पहल की शुरुआत हुई है। नगर में मां अन्नपूर्णा रसोई का भव्य शुभारंभ किया गया है। इस रसोई के माध्यम से अब कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति मात्र 10 रुपए में भरपेट भोजन और शुद्ध पेयजल प्राप्त कर सकेगा। इस जनहितकारी और पुनीत पहल से नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में खुशी और संतोष का माहौल है।

जन्मदिन की भावना से शुरू हुआ जनसेवा का बड़ा अभियान: इस अन्नपूर्णा रसोई की शुरुआत के पीछे एक बेहद पवित्र सोच, समाज के प्रति जिम्मेदारी और जरूरतमंदों की सेवा का भाव जुड़ा हुआ है मध्यप्रदेश सरकार के संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के अनुज सतेंद्र सिंह लोधी के जन्मदिन के अवसर पर गरीबों को भोजन कराने की भावना आई। उन्होंने अपने जन्मदिन को यादगार और सार्थक बनाने के लिए जबरा विधानसभा क्षेत्र में ऐसी रसोई शुरू करने का संकल्प लिया था, जहां गरीब व्यक्ति भी सम्मान के साथ भरपेट भोजन कर सके उसी संकल्प और सेवा भावना के फलस्वरूप आज तेंदूखेड़ा में इस रसोई की शुरुआत हुई है जो विचार एक छोटे से जन्मदिन के कार्यक्रम से शुरू हुआ था, आज वह जनसेवा के एक बड़े अभियान का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

सुबह सुंदरकांड से लेकर दोपहर कन्या भोज तक, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुभारंभ



शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 9, जनपद मार्ग पर स्थित अन्नपूर्णा रसोई के शुभारंभ से पहले पूरे विधि-विधान के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे मंगल भवन में रामायण सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वातावरण भक्तिमय हो गया इसके बाद सुबह 10 बजे से गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासियों ने आहुतियां देकर नगर की सुख-समृद्धि और रसोई के सफल संचालन की कामना की। दोपहर 12 बजे छोटी-छोटी कन्याओं के पैर पखार कर उनका पूजन किया गया और उन्हें कन्या भोज कराया गया। मान्यता है कि कन्या भोज के बाद शुरू किया गया कोई भी पुनीत कार्य सफल होता है। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें संस्कृति राज्यमंत्री के पिता दादा भाव सिंह लोधी ने

कन्या भोज के बाद शुरू किया गया कोई भी पुनीत कार्य सफल होता है। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें संस्कृति राज्यमंत्री के पिता दादा भाव सिंह लोधी ने

शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 9, जनपद मार्ग पर स्थित अन्नपूर्णा रसोई के शुभारंभ से पहले पूरे विधि-विधान के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे मंगल भवन में रामायण सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वातावरण भक्तिमय हो गया इसके बाद सुबह 10 बजे से गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासियों ने आहुतियां देकर नगर की सुख-समृद्धि और रसोई के सफल संचालन की कामना की। दोपहर 12 बजे छोटी-छोटी कन्याओं के पैर पखार कर उनका पूजन किया गया और उन्हें कन्या भोज कराया गया। मान्यता है कि कन्या भोज के बाद शुरू किया गया कोई भी पुनीत कार्य सफल होता है। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें संस्कृति राज्यमंत्री के पिता दादा भाव सिंह लोधी ने

51 हजार का दान, 200 से अधिक सदस्य जुड़े, लोगों में उत्साह

रसोई के संचालन में सहयोग करते हुए दादा भाव सिंह लोधी ने 51 हजार रुपए की सहयोग राशि दान के रूप में प्रदान की है। उनके इस नेक कदम ने अन्य लोगों को भी इस सेवा कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है खास बात यह है कि इस पुनीत कार्य में अब तक 200 से अधिक लोग सदस्य बनकर अपना सहयोग देने के लिए आगे आए हैं। प्रतिमाह सहयोग राशि और श्रमदान से यह रसोई संचालित होगी। लोगों की बढ़ती सहभागिता से यह उम्मीद जताई जा रही है कि अन्नपूर्णा रसोई का संचालन निरंतर और बेहतर तरीके से किया जा सकेगा और यह कभी बंद नहीं होगी।

न्यूज विंडो

गागरा के अटैचमेंट पर एसडीएम ने आरोपों को बताया निराधार

तेंदूखेड़ा। जनपद पंचायत में पदस्थ लिपिक राहुल गागरा के अटैचमेंट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच तेंदूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा है कि राहुल गागरा को अटैच किए जाने के पीछे किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या अन्य गड़बड़ी का मामला नहीं है। कार्रवाई का कारण कार्यालय में समय पर उपस्थित नहीं होना और मुख्यालय दमोह बनाए रखना है एसडीएम सीजी गोस्वामी ने बताया कि राहुल गागरा ने अपना मुख्यालय दमोह बना रखा था। इसके कारण वे निर्धारित समय पर जनपद कार्यालय नहीं पहुंचते थे और कई बार समय से पहले ही कार्यालय से चले जाते थे। इससे आम लोगों से जुड़ी शिकायतों के निराकरण में परेशानी आ रही थी। विशेष रूप से मुख्यमंत्री हेलपलाइन क्रमांक 181 की शिकायतों के निराकरण में दिक्कतें सामने आ रही थीं। इसी स्थिति को देखते हुए उनके द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखा गया था, जिसके बाद उन्हें दमोह में अटैच किया गया।

भाजपा में पार्षद से अध्यक्ष तक टिकट को लेकर बड़ी बेचैनी

अनूपपुर। नगर निकाय चुनाव की सुगबुहाहट शुरू होते ही भाजपा के अंदर टिकट को लेकर राजनीतिक तापमान बढ़ने लगा है। संभावित पार्षद और अध्यक्ष पद के दावेदार अपने-अपने स्तर पर सक्रिय हो गए हैं, लेकिन पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच एक बड़ा सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है—इस बार टिकट संगठन के प्रति निष्ठा और जनाधार से मिलेगा या फिर आर्थिक ताकत से? पिछले चुनावों को लेकर स्थानीय राजनीतिक गतिधाराओं में पार्षद के टिकट के लिए 20 हजार रुपये से लेकर 12 लाख रुपये तक के लेन-देन की चर्चाएं समय-समय पर होती रही हैं। अब आगामी चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं की चिंता बढ़ा रही है। कार्यकर्ताओं का सवाल सीधा है—अगर टिकट के लिए पैसा ही सबसे बड़ा पैमाना बन गया तो वर्षों से पार्टी का झंडा उठाने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका क्या रह जाएगी? अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों को लेकर भी राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में भाजपा नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती होगी कि वह टिकट वितरण में सौटन के प्रति निष्ठा, जनाधार, साफ छवि, सक्रियता और चुनाव जीतने की क्षमता को प्राथमिकता दे।

जिला मुख्यालय उमरिया में ही विद्युत प्रकाश व्यवस्था बंदहाल



कलेक्ट्रेट के बाहर ही अंधेरा, तो ग्रामीण अंचलों का क्या होगा

उमरिया। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश का आदिवासी बहुल जिला उमरिया विकास के दावों के बीच एक बुनियादी सवाल खड़ा कर रहा है। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक भवन के बाहर यदि विद्युत प्रकाश की समुचित व्यवस्था नहीं है, तो जिले के दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में बिजली व्यवस्था की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

कलेक्ट्रेट वह स्थान है जहां से पूरे जिले की प्रशासनिक व्यवस्था संचालित होती है। यहां प्रतिदिन अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक पहुंचते हैं। इसके बावजूद कलेक्ट्रेट के बाहर के क्षेत्र में पर्याप्त विद्युत प्रकाश की व्यवस्था नहीं होना जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। जब जिला मुख्यालय के इतने महत्वपूर्ण स्थान पर ही अंधेरा पसरा रहता है, तो दूरस्थ गांवों, आदिवासी बस्तियों और ग्रामीण मार्गों पर



जिले के आम नागरिकों को बेहतर विद्युत सुविधाओं का भरपूर कैसे दिलाया जा सकता है?

नवागत कलेक्टर यादव व एसपी सिन्हा ने ग्रहण किया पदभार

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर जिले में स्थान्तरित होकर आए आईएएस व आईपीएस अधिकारियों ने शुक्रवार को अपने अपने पदभार ग्रहण कर लिए। उल्लेखनीय है कि जिले में जहरीली शराब से हुई करीब तीन दर्जन लोगों की मौत के बाद तत्कालीन कलेक्टर प्रतिभा पाल तथा एसपी अनुराग सुजानिया को जिले से हटाकर दिलीप कुमार यादव को सागर कलेक्टर व संजीव सिन्हा को एसपी को पदस्थ किया था। नवागत कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। दिलीप कुमार यादव 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। इसके पूर्व वे प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, भोपाल के पद पर पदस्थ थे। पदभार ग्रहण करने के पश्चात कलेक्टर यादव ने उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिले की प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सीमा में शासकीय कार्यों का निराकरण करने की अपेक्षा की। इसी तरह संजीव सिन्हा ने जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व वे 14वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल (स्पेस), ग्वालियर में सेनानी के पद पर पदस्थ थे तथा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे। संजीव सिन्हा ने 1 जुलाई 1996 को मध्यप्रदेश राज्य पुलिस में उप पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रारंभ की थीं।

15 करोड़ रुपए के 15.5 टन गांजे के पौधे जब्त



कपास और तुअर की फसल के बीच छिपाकर की जा रही थी अवैध खेती, ड्रोन से तलाशें ठिकाने

धार। दोपहर मेट्रो

नशा मुक्त भारत के संकल्प के तहत धार पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की खेती और कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्रवाई की है। अक्टूबर माह में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने करीब 15 करोड़ रुपए कीमत के 15 हजार 529 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान एक दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। खास बात यह है कि आरोपी कपास और तुअर की फसल के बीच गांजे की खेती कर रहे थे।



दुर्गम और पहाड़ी इलाकों में छिपाकर लगाए गए पौधों का पता लगाने के लिए पुलिस को ड्रोन की मदद लेनी पड़ी। एसपी सचिन शर्मा के निर्देश में कार्यवाही की गई है। जिले में अब तक की सबसे बड़ी

लाख रुपए बताई गई। एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

एसपी डावर ने बताया कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में कपास व तुअर की फसल के बीच गांजे के पौधे छिपाकर लगाए गए थे। कुछ पौधे आठ फीट तक ऊंचे हो चुके थे। घनी फसलों और दुर्गम रास्तों के कारण पुलिस टीमों को शुरुआत में ठिकानों तक पहुंचने में कठिनाई हुई। इसके बाद ड्रोन की मदद से संदिग्ध स्थानों की सटीक लोकेशन चिह्नित की गई। पौधों को काटने और उनका वजन व संख्या दर्ज करने में भी पुलिस टीमों को काफी समय लगा।

मेट्रो एंकर

मनरेगा के तहत ब्राम पंचायत की महिलाओं को दिया जाएगा वीडियो प्रशिक्षण

‘वॉइस प्रोजेक्ट’ से सीख महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को मनरेगा एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अवेयरनेस एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रदान वॉइस (क्लष्टर डूबलडूबल) प्रोजेक्ट के तहत संचालित किया जा रहा है कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना तथा रोजगार के लिए होने वाले पलायन को रोकना है।

दो स्तरों पर हो रहा प्रशिक्षण: इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं को दो स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रथम स्तर पर पंचायत स्तर पर मेट के माध्यम से तथा दूसरे स्तर पर प्रदान वॉइस की सीआरपी (कम्युनिटी रिसेसर्स पर्सन) द्वारा ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में अलग-अलग प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर महिलाओं को वीडियो के माध्यम से मनरेगा और अन्य योजनाओं की जानकारी सरल तरीके से समझाई जा रही है।

नियमित मॉनिटरिंग

प्रदान वॉइस प्रोजेक्ट के माध्यम से चल रहे इस जागरूकता कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग एवं फॉलोअप भी किया जा रहा है। प्रदान के डीसी गोपाल यादव, अक्षय एवं ब्लॉक ऑर्डिनेटर श्रीकृष्ण माली द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं तक शासन की योजनाओं की जानकारी सीधे पहुंचाना, उन्हें योजनाओं से जोड़ना, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है।

वीडियो के माध्यम से दी जा रही ये जानकारियां

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को आधार कार्ड, पैन कार्ड, जॉब कार्ड एवं बैंक खाते को लिंक कराने, ई-केवाईसी, लाइली बहना योजना, कृषि एवं पंचायत स्तर पर काम मांगने की प्रक्रिया, मनरेगा में उपलब्ध कार्यों के प्रकार, मजदूरी भुगतान सहित शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि ग्रामीण महिलाएं अपने गांव में ही उपलब्ध रोजगार एवं आजीविका के अवसरों से जुड़ें और उन्हें रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला-विदिशा

क्रमांक / निविदा / 2026/9172 विदिशा दिनांक 23/10/26

:- निविदा आमंत्रण सूचना :-

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला विदिशा द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश अंतर्गत जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु आवश्यक उपकरण एवं फर्नीचर क्रय किए जाने के लिए मध्यप्रदेश ई-टेंडर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक एवं चार फर्म/आपूर्तिकर्ता निविदा में भाग लेने हेतु निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार अपनी निविदाएं ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, मध्यप्रदेश ई-टेंडर पोर्टल www.mpntenders.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है-

1. निविदा फॉर्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-	02.11.2026 रविवार प्रातः-10.30 से।
2. निविदा फॉर्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-	24.11.2026 रविवार दोपहर 2.00 बजे तक।
3. पी-बिड मीटिंग :-	05.11.2026 रविवार दोपहर 03.00 बजे।
4. ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :-	24.11.2026 रविवार दोपहर 02.00 बजे तक।
5. तकनीकी निविदा खोलने की तिथि :-	25.11.2026 रविवार दोपहर 2.30 बजे।

कार्यालय को बिना कोई कारण बताए निविदा प्रक्रिया निरस्त करने अथवा उसमें आवश्यक संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

G-20755/26 मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला विदिशा

अंधाधुंध रेत खनन : नदी में ‘पाबंदी’ के बावजूद उतर गई हैवी मशीनें

उमरिया/मानपुर। दोपहर मेट्रो
भदार नदी में रेत का कारोबार चल रहा है या मशीनों के दम पर मनमानी का दरबार सज रहा है? यह सवाल सलैया रेत घाट पर उठने लगा है। बड़ी-बड़ी जेसीबी और पोकलेन मशीनें, नदी की बहती धार को काटकर रास्ता बनाने के आरोप और 20 से 25 फीट तक गहरे गड्ढे। ग्रामीणों की मानें तो घाट पर न सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं और न ही उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि आखिर रेत निकालने की इस दौड़ में नियम-कानून किस कोने में पड़े हैं?

न्यूज विंडो

पुलिस की गाड़ी ने कार को मारी टक्कर, 25 फीट नीचे झाड़ियों में गिरे



अनूपपुर। जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर बैरीबांध के पास गुरुवार शाम बड़ा सड़क हादसा हो गया। पीछे से आ रहे पुलिस वाहन से एक शिक्षक की कार को टक्कर लग गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन सड़क से करीब 25 फीट नीचे झाड़ियों से भरे गड्ढे में जा गिरे। हादसे में कार चला रहे शिक्षक और पुलिस वाहन का चालक घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, शिक्षक जियालाल संत शासकीय प्राथमिक विद्यालय बकानटोला परसवार में पदस्थ हैं और सकरिया गांव के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को स्कूल से निकलने के बाद वह अपनी पत्नी कमलावती बघेल को लेने सकरिया जा रहे थे। उनकी पत्नी शासकीय प्राथमिक विद्यालय सकरिया में शिक्षिका हैं। जियालाल संत के मुताबिक, बैरीबांध मार्ग से अनूपपुर-राजेंद्रग्राम मार्ग पर मुड़ते समय पीछे से आ रहे पुलिस वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गड्ढे में जा गिरे। पुलिस वाहन में सवार एसडीओपी मनोज दीक्षित ने बताया कि वह सतना जिले के रामपुर बाघेलान में पदस्थ हैं। अमरकंटक थाने में पदस्थापना के दौरान हत्या के एक मामले में राजेंद्रग्राम न्यायालय में पेशी के बाद वह आरक्षक चालक देवेंद्र मिश्रा के साथ अनूपपुर के रास्ते सतना लौट रहे थे। हादसे के समय वह पुलिस वाहन की पिछली सीट पर बैठे थे।

रन फॉर यूनिटी: हाथ में तिरंगा थामे 500 स्टूडेंट 3 किमी दौड़े, एकता की शपथ ली



सीहोर। सीहोरे में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी निकाली गई। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारियों, नागरिकों और युवाओं ने दौड़ में हिस्सा लिया। इसमें 500 से अधिक विद्यार्थी भी 3 किलोमीटर से ज्यादा दौड़े। आवासीय खेलकूद संस्थान से दौड़ शुरू हुई। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश की सुरक्षा बनाए रखने की शपथ से हुई। कलेक्टर बालागुरु के. और पुलिस अधीक्षक सक्सेना ने कार्यक्रम की अगुवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे और एसडीएम तन्मय वर्मा ने शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान परिसर से दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ज्यादातर प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर सीहोर की सड़कों पर दौड़ लगाई। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों ने आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि देश को मजबूत बनाए रखने के लिए हर नागरिक को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

मेट्रो एंकर

पशुपालन एवं डेयरी विभाग में पशुओं के इलाज के नाम पर बजट का खेल

सालभर पहले एक्सपायर हो चुकी दवाइयों से चल रहा पशुओं का इलाज

सागर। दोपहर मेट्रो

पशुपालन एवं डेयरी विभाग में पशुओं के इलाज के नाम पर बजट ठिकाने लगाने और चहेती कंपनियों को फायदा पहुंचाने का खेल चल रहा है। विभाग ने खरीदी का टारगेट तो पूरा कर लिया, लेकिन ये दवाएं पशुओं के काम आने के बजाय सरकारी स्टोर्स में जहर बन रही हैं। सागर, दमोह और टीकमगढ़ जिले में इस वित्तीय वर्ष में अब तक 1 करोड़ 60 लाख 72 हजार 700 रु की दवाएं खरीदी जा चुकी हैं। वहीं, पशु चिकित्सा केंद्रों में कई दवाएं एक साल पहले ही एक्सपायर हो चुकी हैं। हमने आरटीआई से खरीदी गई दवाओं की सूची मांगी, तो अधिकारियों ने चालाकी दिखाते हुए उत्पादन और एक्सपायरी डेट का कॉलम ही हटा दिया। पड़ताल में केंद्रों पर एक्सपायरी दवाएं मिलीं। इससे साफ है कि बजट ठिकाने लगाने जरूरत से ज्यादा दवाएं खरीदी गईं या फिर कमीशन के चक्कर में जल्द एक्सपायर होने वाली दवाएं ली गईं। सीहोरा पशु चिकित्सा केंद्र के डॉ. धनीराम ठाकुर ने दावा किया कि स्टोर में पर्याप्त दवाएं हैं। जब भास्कर टीम ने स्टोर देखने की अनुमति मांगी, तो उन्होंने मना कर दिया। अधिकारियों की यह बकराहत अंदर एक्सपायरी दवाओं का जखीरा होने का इशारा करती है।



मुख्य बजट के अलावा मोबाइल युनिट और बांझ निवारण शिविर जैसे अन्य मदों से भी दवाएं खरीदी जाती हैं। दवाएं एक्सपायर होनी ही नहीं चाहिए। खरीदी के समय दवाओं की लाइफ कम से कम दो साल होनी चाहिए। रही बात कंपनियों को फायदा पहुंचाने की तो टेंडर प्रक्रिया प्रदेश स्तर से होती है।

- डॉ. एके सिंह, संयुक्त संचालक, सागर

बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ग्राम पंचायत सलैया के भादर नदी में कर रही खनन

मशीनें गरज रही हैं, नदी कराह रही है!

मानपुर तहसील के अमरपुर चौकी के समीप स्थित भदार नदी के सलैया रेत घाट को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि रेत निकालने के लिए नदी की बहती धार को काटा जा रहा है। कुड़ी गांव के समीप पहाड़ी क्षेत्र से मुरुम की खुदाई कर रास्ता बनाए जाने की बात भी सामने आई है। ग्रामीणों के मुताबिक, भारी मशीनों से नदी क्षेत्र में गहरे गड्ढे खोद दिए गए हैं, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। घाट पर सुरक्षा संबंधी सूचना बोर्ड और अन्य जरूरी इंतजामों को कमी भी बताई जा रही है। सवाल यह है कि रेत निकालने के लिए मशीनों को रास्ता मिल गया, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को रास्ता कब मिलेगा? नदी की प्राकृतिक धारा में बदलाव और अनियंत्रित खुदाई जलीय जीवों तथा पर्यावरण के लिए भी चिंता का विषय हो सकती है। इसलिए मामले की तकनीकी जांच और मौके का निरीक्षण जरूरी है।



रेत का घाट या ग्रामीणों की मुसीबत का ठिकाना?

ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा महाकाल रेत ठेका कंपनी के संचालन और ठेकेदार चैन सिंह शेखावत की कथित मनमानी के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि गहरे गड्ढों और रास्ते की स्थिति के कारण लोगों के लिए आवागमन करना मुश्किल हो रहा है। सलैया के करीब 10 से 15 ग्रामीण रेत घाट पहुंचे और खनिज विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। ग्रामीणों का विरोध केवल रास्ते की परेशानी तक सीमित नहीं है। वे यह भी जानना चाहते हैं कि उत्खनन निर्धारित नियमों के अनुसार हो रहा है या नहीं, नदी क्षेत्र में मशीनों के इस्तेमाल की अनुमति किन शर्तों पर दी गई है और सुरक्षा के इंतजामों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

हाईवे पर बसा झलौन, फिर भी नहीं है सुरक्षा - रात 9 बजे बाद थम जाती है जिंदगी तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे क्रमांक 15 पर स्थित ग्राम पंचायत झलौन की कहानी बेहद चौंकाने वाली है। स्टेट हाईवे पर बसा होने और 20-25 गांवों का मुख्य केंद्र होने के बाद भी यहां पुलिस चौकी तक नहीं है। नतीजा यह है कि शाम 9 बजे के बाद पूरा गांव बंद हो जाता है, बाजार में सन्नाटा पसर जाता है और लोग अपने घरों में कैद होने को मजबूर हो जाते हैं। सबसे बड़ी विख्बना तो यह है कि गांव में संचालित शराब दुकान रात 12 बजे तक खुली रहती है, लेकिन किसानों के लिए जरूरी पेट्रोल पंप और अन्य दुकानें असामाजिक तत्वों के डर से रात 10 बजे ही बंद हो जाती हैं।

क्यों है यह स्थिति

झलौन से सबसे नजदीकी पुलिस थाना तेजगढ़ और तेंदूखेड़ा दोनों ही 20-20 किलोमीटर दूर हैं। तारादेही थाना 20 किमी, झमलिया चौकी 18 किमी और जिला मुख्यालय दमोह 50 किमी दूर है। पुलिस के इतना दूर होने का फायदा असामाजिक तत्व उठाते हैं। रात होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है और दुकानदारों को परेशान किया जाता है। पेट्रोल पंप मैनेजर ने भी यही पीड़ा बताई है।

पुलिस चौकी नहीं

यहां मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, दो पेट्रोल पंप, हायर सेकेंडरी स्कूल, वन परिक्षेत्र कार्यालय, शराब दुकान जैसी सभी महत्वपूर्ण संस्थाएं संचालित हैं। सेहरी, मगदूपुरा, बिसनाखेड़ी, हरदुआ, धनेटा, ससनाकला, पुरा, गोहूची, बेरागढ़, मोहड़, मोहरा सहित 25 गांवों के लोगों का रोज यहां आना-जाना लगा रहता है। वारों ओर से घिरा होने के कारण यह जिले का जंक्शन भी कहलाता है।

50 वर्षों में 5वीं बार बदली पहचान

दुनिया का इकलौता टाइगर रिजर्व, जहां एक साथ रहते हैं भेड़िया, तेंदुआ, बाघ और चीता

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा और दुनिया का इकलौता ऐसा टाइगर रिजर्व, जहां भेड़िया, तेंदुआ, बाघ और चीता चारों शीर्ष शिकारी एक ही जंगल में पाए जाते हैं। दमोह, सागर और नरसिंहपुर जिले की सीमा में फैले तेंदूखेड़ा-नौरादेही क्षेत्र के इस अनोखे टाइगर रिजर्व की पिछले 50 वर्षों में 5वीं बार पहचान बदली गई है। नाम, खासियत और मोनो (लोगो) सभी नया हो गया है। कभी मोहली, छिहरी और तेंदूखेड़ा के जंगलों के नाम से जाना जाने वाला यह क्षेत्र साल 1975 में एक छोटे से गांव नौरादेही के नाम पर अभयारण्य बना। उस समय यहां भारतीय भेड़ियों की अधिकता थी, इसलिए इसके पहले मोनो में केवल भेड़िया को ही शामिल किया गया था। अब जो लेटेस्ट मोनो मुख्यमंत्री द्वारा रिलीज किया गया है, उसमें शीर्ष के प्रतीक केसरिया रंग के साथ भेड़िया, टाइगर, चीता, हिरण, जंगल और नदी को शामिल किया गया है, जो एक तस्वीर में ही इसकी पूरी खूबियों को परिभाषित कर रहा है।



मोनो का इतिहास: भेड़िए से शुरू होकर चीते तक

डॉ. सिंह ने बताया कि मोनो का इतिहास भी बेहद दिलचस्प है। बहुत पहले मोनो में केवल एक भेड़िए का फोटो होता था, तब डिजाइनिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। 2017-18 में तत्कालीन प्रबंधन ने भेड़िए का बेहतरीन आर्टवर्क वाला लोगो इस्तेमाल किया। 2022-23 में मोनो में फिर बदलाव हुआ और उसमें गिद्ध (वल्वर), भेड़िया, टाइगर और हिरण चार एलिमेंट शामिल किए गए। लेटेस्ट मोनो में सबसे बड़ी बात इसका केसरिया रंग है, जो वीरंगना रानी दुर्गावती के शीर्ष से प्रेरणा लेकर चुना गया है। पहले यह रिजर्व सिर्फ भेड़ियों के लिए जाना जाता था। 90 के दशक में जब देश में गिद्ध खत्म होने लगे तो पन्ना, ओरछा, गांधी सागर और नौरादेही ही ऐसे स्थान बचे थे जहां गिद्धों की अच्छी आबादी थी। 2018 में यहां टाइगर की पुनर्स्थापना हुई, टाइगर की संख्या बढ़ने लगी और अब यहां चीते भी छोड़े गए हैं।

अब वीरंगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व है नया नाम

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राजनीश सिंह ने बताया कि अब इसका नाम बदल गया है। पहले इसका मूल नाम नौरादेही अभयारण्य था और दमोह जिले में एक अन्य संचुरी थी। दोनों संचुरी और बफर जोन एरिया को मिलाकर वीरंगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व का गठन हुआ है। 2339 वर्ग किमी में फैला यह मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, जिसका कोर एरिया 1414 वर्ग किमी और बफर जोन 925 वर्ग किमी है।

30 से 35 बाघों का बसेरा, कभी था बाघ विहीन

वन्यजीव अधिकारियों के अनुसार दोनों संचुरी कभी बाघ विहीन थीं, लेकिन अब यहां बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में रिजर्व में 30 से 35 बाघों की संख्या का अनुमान लगाया गया है। यह प्रदेश का एकमात्र इतना बड़ा रिजर्व है। इस रिजर्व की सबसे अनोखी खासियत यह है कि यह देश का इकलौता ऐसा जंगल है जो गंगा और नर्मदा दोनों नदियों को जलशक्ति प्रदान करता है। रिजर्व क्षेत्र की हिरण जैसी सहायक नदियां और नाले दक्षिण दिशा में नर्मदा में मिलते हैं, वहीं उत्तर दिशा में ब्यारमा जैसी छोटी नदियां केन, बेतवा, यमुना के जरिए प्रयागराज में गंगा में समाहित होती हैं।

लालबाग की ऐतिहासिक बावड़ी का होगा पुनरुद्धार, परिसर का भी संवरेगा स्वरूप

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के ऐतिहासिक लालबाग परिसर को नए सिरे से संवारने की तैयारी की जा रही है। परिसर में स्थित प्राचीन बावड़ी का पुनरुद्धार किया जाएगा, वहीं उद्यानों के सौंदर्यीकरण के साथ साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं को भी बेहतर बनाया जाएगा। शुक्रवार को कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अधिकारियों की टीम के साथ लालबाग परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। लालबाग शहर का प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र है। यहां प्रतिदिन सुबह बड़ी संख्या में लोग मॉर्निंग वॉक, योग और अन्य स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं। परिसर में खेल मैदान और निरंजन क्लब होने से यह खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र है।



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए साफ-सफाई को और बेहतर बनाने तथा नागरिकों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राचीन बावड़ी का अवलोकन कर उसकी सफाई करवाने और पुनर्जीवित करने के साथ आसपास के उद्यानों का सौंदर्यीकरण करने को कहा। इससे ऐतिहासिक जल संरचना को संरक्षित करने के साथ परिसर का उपयोगी स्वरूप भी विकसित हो सकेगा। अल्प वर्षा के चलते शहर में आगामी

दिनों में पेयजल उपलब्धता को लेकर भी कलेक्टर ने अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहर के सभी उपलब्ध जल स्रोतों का आकलन किया जा रहा है। आगामी जरूरतों को देखते हुए जल स्रोतों को चिह्नित कर व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है, ताकि नागरिकों को लगातार पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान एसडीएम राजकुमार हलदर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कॉन्स्टेबल के कान में उलझा चाइनीज-मांझा: 8 टांके आए, युवती भी घायल

इटारसी। इटारसी में ओवरब्रिज पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। इसमें सिटी थाने के कॉन्स्टेबल अफजल खान और ऑर्डनेंस फैक्ट्री कर्मचारी दीक्षा चौधरी घायल हो गए। अफजल खान के माथे पर छह और कान पर दो टांके लगाने पड़े। वहीं, दीक्षा के चेहरे और अंगूठे पर कट लगे हैं। दीक्षा ने हेलमेट पहन रखा था। मांझा उनकी अंगूठी में फंस गया। अफजल खान परिवार के साथ बाइक से नर्मदापुरम से इटारसी की ओर आ रहे थे। ओवरब्रिज से गुजरने के दौरान मांझा उनके कान में उलझ गया। इसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया। युवती दीक्षा चौधरी का कहना है कि फैक्ट्री से करीब साढ़े पांच बजे में घर वापस आ रही थी। ब्रिज से उतरते समय मेरे हेलमेट से मांझा टकराया। मैं कुछ समझ पाती तब तक वो हेलमेट लगा होने के बाद भी मेरी नाक से रगड़ता हुआ निकल गया। मैंने हाथ से मांझा हटाने की कोशिश की।

आईपीएल 2027: मुंबई इंडियंस में बड़ा फेरबदल, नई टीम के साथ खिताब पर नजर

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा-मैक्लेनघन की भी वापसी, धवल तराशेंगे गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपनी तैयारियों को नई दिशा देते हुए कोचिंग टीम में बड़ा बदलाव किया है। फेंचाइजी ने आगामी सत्र के लिए अपने नए कोचिंग स्टाफ की घोषणा कर दी है।

वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य प्रशिक्षक बनाया गया है। वहीं, भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी प्रशिक्षक और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को गेंदबाजी प्रशिक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक टी दिलीप और मुंबई के

अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी भी नए कोचिंग दल का हिस्सा होंगे। मुंबई इंडियंस ने इन नियुक्तियों की जानकारी सामाजिक माध्यमों के जरिए साझा की है।

कीरोन पोलार्ड लंबे समय तक मुंबई इंडियंस की ताकत रहे हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, उपयोगी गेंदबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण के दम पर उन्होंने टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं। अब खिलाड़ी के रूप में मुंबई को सेवाएं देने के बाद वह मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाएंगे। पोलार्ड फेंचाइजी की कार्यशैली, खिलाड़ियों की जरूरतों और टीम की रणनीति से अच्छी तरह परिचित हैं। ऐसे में उनसे उम्मीद होगी कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल कर टीम को एक बार फिर खिताबी सफलता दिलाएं।



रॉबिन उथप्पा संभालेंगे बल्लेबाजी की कमान

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी प्रशिक्षक बनाया गया है। वह भी पहले मुंबई इंडियंस की ओर से खेल चुके हैं। अब उनकी वापसी नई भूमिका में हुई है। उथप्पा के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 प्रतियोगिताओं का अच्छा अनुभव है। उनकी जिम्मेदारी बल्लेबाजों को तकनीक सुधारने, रणनीति तैयार करने और युवा खिलाड़ियों को बड़े मुकामों के लिए तैयार करने की होगी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को गेंदबाजी प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। वह मुंबई इंडियंस की पुरानी सफलताओं का हिस्सा रह चुके हैं। अब वह गेंदबाजों

को शुरुआती और अंतिम ओवरों में बेहतर प्रदर्शन करने के गुर सिखाएंगे। भारतीय टीम के पूर्व क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक टी दिलीप को मुंबई का नया क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक बनाया गया है। भारतीय टीम के साथ उनके अनुभव का लाभ मुंबई के खिलाड़ियों को मिलेगा। उनका मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फुर्ती, क्षेत्ररक्षण और मैदान पर तालमेल बेहतर बनाने पर रहेगा। वहीं, मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी को युवा गेंदबाजों के विकास की जिम्मेदारी दी गई है। वह नई प्रतिभाओं को निखारने और भविष्य के लिए मजबूत गेंदबाजी दल तैयार करने का काम करेंगे।

वैभव को हटाकर गंभीर ने क्या पाया?

कप्तान अख्यर की निर्दयी सोच भी हुई

बेनकाब, 260 रन के सामने खुली पोल

नई दिल्ली., एजेंसी

गौतम गंभीर की टीम इंडिया को आक्रामक क्रिकेट खेलना है, विपक्ष को कुचलना है और कोई कसर नहीं छोड़नी है। लेकिन ऑकलैंड में चौथे टी20 के दौरान टीम मैनेजमेंट के फैसले ने इसी सोच पर सवाल खड़े कर दिए। जिस वैभव सूर्यवंशी ने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर पिछले मैच में पावरप्ले में 118 रन लेकर इतिहास रचा, उसे ही प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया गया। कप्तान श्रेयस अख्यर ने %निर्दयी% बने रहने की बात कही, लेकिन 260 रनों के पहाड़ के सामने टीम इंडिया की बल्लेबाजी का ऐसा बंटोधार हुआ कि पहले ही ओवर में 2 विकेट गिर गए और जीत की उम्मीदों का दम निकल गया। आखिर यह कैसी आक्रामक सोच है, जिसमें अपने सबसे विस्फोटक हथियार को ही बाहर बैठा दिया जाए?

नतीजा- न्यूजीलैंड ने 260 रनों का पहाड़ खड़ा किया तो भारतीय बल्लेबाजों के हाथ-पांव फूल गए। मेजबान टीम ने 87 रनों से ऐसी धुलाई की कि टीम इंडिया लक्ष्य के आसपास भी नहीं फटक सकी। 4-0 का सपना देखने निकली भारतीय टीम को हार का कड़वा घूंट पीना पड़ा। गौतम गंभीर को आक्रामक क्रिकेट पसंद है। उनकी टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करने से पीछे नहीं हटती। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने की छूट है। गेंदबाजों से भी विकेट लेने की उम्मीद की जाती है। लेकिन आक्रामकता और अंधाधुंध प्रयोग के बीच एक बारीक अंतर होता है। ऑकलैंड में टीम मैनेजमेंट शायद यही अंतर भूल गया। भारत पहले ही सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ले चुका था। चौथा मुकाबला जीतकर 4-0 की बढ़त बनाने का मौका था। ऐसे में टीम के पास अपने सफल संयोजन को आजमाने का अच्छा अवसर था। लेकिन गंभीर और उनके सहयोगियों ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने सबसे ज्यादा हैरान किया।



जिसने इतिहास रचा, उसी को बाहर कर दिया!

पिछले मुकाबले में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली थी। दोनों ने पावरप्ले के 6 ओवरों में 118 रन बना दिए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी भी टीम का यह सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं था। यह उस बल्लेबाजी संयोजन की ताकत का प्रमाण था, जिसने विपक्षी टीम को शुरुआती ओवरों में ही मुकाबले से बाहर धकेल दिया था। वैभव और अभिषेक एक-दूसरे के खेल को समझते हुए गेंदबाजों पर टूट रहे थे। लेकिन अगले ही मुकाबले में इस जोड़ी को तोड़ दिया गया। वैभव बाहर और

ईशान किशन अंदर। सवाल ईशान की काबिलियत का नहीं है। वह भी मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। सवाल यह है कि आखिर वैभव को ही बाहर करने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या पिछले मैच का रिकॉर्ड प्रदर्शन टीम मैनेजमेंट के लिए इतना भी मायने नहीं रखता? क्या टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ी को हर मैच में खुद को साबित करना होगा, लेकिन जगह बचाने के लिए एक धकेल दिया था। वैभव और अभिषेक एक-दूसरे के खेल को समझते हुए गेंदबाजों पर टूट रहे थे। लेकिन अगले ही मुकाबले में इस जोड़ी को तोड़ दिया गया। वैभव बाहर और

कप्तान अख्यर की निर्दयी क्रिकेट वाली बात कहां गई?

टॉस के समय कप्तान श्रेयस अख्यर ने कहा, हम कोई कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते। सीरीज जीत चुके हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारा आधा काम ही पूरा हुआ है। निर्दयी बने रहना जरूरी है। कप्तान की बात सुनने में शानदार थी। लेकिन निर्दयी क्रिकेट सिर्फ बयान देने से नहीं खेला जाता। इसके लिए फैसलों में भी स्पष्टता चाहिए। अगर टीम का लक्ष्य विपक्ष को कोई मौका नहीं देना है तो फिर पिछले मैच में विपक्ष को ध्वस्त करने वाली ओपनिंग जोड़ी को क्यों तोड़ा गया? अख्यर कप्तान हैं। प्लेइंग-11 के फैसले में कोच और कप्तान की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। इसलिए इस बदलाव पर कप्तान भी सवालों से बच नहीं सकते। क्या उन्होंने वैभव को बाहर करने के फैसले का समर्थन किया? क्या उन्हें नहीं लगा कि 118 रनों की साझेदारी करने वाली जोड़ी को बरकरार रखना चाहिए?

गेंदबाज पिटें, बल्लेबाज भी नहीं बचा पाए लाज

भारत की हार के पीछे सिर्फ वैभव को बाहर करने का फैसला नहीं था। भारतीय गेंदबाजों ने भी बेहद निराश किया। फिलिप्स और ब्रेसवेल ने जिस तरह रन बनाए, उसने गेंदबाजी की कमजोरियों को उजागर कर दिया। लेकिन बड़ा लक्ष्य मिलने के बाद बल्लेबाजों से जवाब की उम्मीद थी। आखिर टीम मैनेजमेंट की पूरी रणनीति ही यही थी कि भारत किसी भी स्कोर का पीछा कर सकता है। फिर जब 260 रन सामने आए तो यह दावा मैदान पर क्यों नहीं दिखा? टीम को शुरुआत में ही तीन झटके लग गए। इसके बाद वापसी की राह मुश्किल होती चली गई। 4-0 का सपना टूट गया और भारतीय टीम को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत महसूस हुई।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

करीना कपूर के सामने शाहिद की पत्नी मीरा ने

खोले दिल के राज, तीसरे बच्चे पर तोड़ी पुष्पी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान और शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत जल्द ही एक साथ टॉक शो व्हाट विमेन वांट में नजर आने वाली हैं। दोनों की मुलाकात और बेबाक बातचीत का नया प्रोमो जारी किया गया। प्रोमो सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा शुरू हो गई है। इसकी सबसे खास बात यह है कि करीना ने बातचीत के दौरान मीरा को तीसरे बच्चे को लेकर मजेदार अंदाज में छेड़ दिया।

प्रोमो में करीना मीरा से कहती नजर आती हैं कि उन्हें लगता है कि सभी लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित हैं कि दोनों एक साथ सोफे पर बैठें हैं। इस पर मीरा हंस्ने लगती हैं। इसके बाद करीना ने मीरा से पूछा कि उन्होंने अपने बारे में सबसे अजीब अफवाह कौन सी

सुनी है। मीरा ने जवाब दिया कि लोग उनके तीसरे बच्चे को लेकर अफवाहें फैलाते रहते हैं। इस पर करीना ने मजाकिया अंदाज में कहा, हो सकता है... लेकिन मीरा ने तुरंत जवाब दिया, बिल्कुल नहीं, हमारा परिवार पूरा हो चुका है। बातचीत के दौरान मीरा ने करीना की तारीफ करते हुए उन्हें बॉलीवुड स्टार कहा। इस पर करीना ने भी मजाकिया अंदाज में खुद को बॉलीवुड पत्नी बनने की इच्छुक बताया। शो में मीरा राजपूत ने रिश्तों को लेकर भी दिलचस्प सलाह दी। उन्होंने बताया कि उनकी कई सहेलियां अक्सर शिकायत करती हैं कि उनके पति चीजें दिलाने का वादा तो करते हैं, लेकिन उसे पूरा नहीं करते। इस समस्या का हल बताते हुए मीरा ने सुझाव दिया कि हर साल की शुरुआत में पति-पत्नी को अपनी इच्छाओं और जरूरतों की एक सूची तैयार करनी चाहिए।

करीना-शाहिद का

रिश्ता भी चर्चा में

गौरतलब है कि करीना कपूर और शाहिद कपूर ने साल 2004 से 2007 के बीच एक-दूसरे को डेट किया था। बाद में करीना ने 2012 में अभिनेता सैफ अली खान से शादी कर ली। वहीं शाहिद कपूर ने 2015 में मीरा राजपूत के साथ सात फेरे लिए। करीना और सैफ के दो बेटे तैमूर और जहांगीर हैं, जबकि शाहिद और मीरा की एक बेटी मीशा और बेटा जैन हैं। अब करीना और मीरा को एक साथ बेबाक बातचीत करते देkhना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। खासकर दोनों के पुराने रिश्तों से जुड़े इस अनोखे समीकरण ने शो के प्रति उत्सुकता बढ़ा दी है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सोशल सिक्योरिटी बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक आधिकारिक संगठनों तथा गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के प्रतिनिधियों को भी शामिल है और इनका उद्देश्य करोड़ों

गिग और असंगठित श्रमिकों

के लिए बड़ी खुशखबरी, केंद्र द्वारा

सामाजिक सुरक्षा बोर्डों का गठन

असंगठित श्रमिकों, गिग वर्कर्स तथा प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए कल्याणकारी योजनाओं की सिफारिश और निगरानी करना होगा। मंत्रालय ने बताया कि इन बोर्डों की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री करेंगे। इनमें केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के अलावा एग्रीगेटर कंपनियों, उद्योग जगत, नागरिक समाज संगठनों, श्रमिक संगठनों तथा गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। सरकार के अनुसार,

बोर्ड विभिन्न श्रमिक वर्गों के लिए उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सिफारिश करेंगे और सामाजिक सुरक्षा संहिता के क्रियान्वयन से जुड़े मामलों पर केंद्र सरकार को सलाह देंगे। इसके अलावा, वे केंद्र द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी करेंगे, राज्यों में रिकॉर्ड प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा करेंगे और सामाजिक सुरक्षा कोष से होने वाले व्यय का भी परीक्षण करेंगे। इन बोर्डों की बैठक वर्ष में कम से कम तीन बार आयोजित की जाएगी।

भारत के एफटीए से वैश्विक जीडीपी के 76 फीसदी

बाजार तक पहुंच, निर्यात को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों के कारण देश को अब लगभग 115 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक अर्थव्यवस्था के 76 प्रतिशत हिस्से तक वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत वर्तमान में आठ अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों पर भी बातचीत कर रहा है, जिनके जुड़ने से लगभग 15 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच मिल सकती है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इनवेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने ए. रेवंत रेड्डी को बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना का 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार, उद्योग जगत, निवेशकों और नागरिकों की

साझी भागीदारी इस लक्ष्य को साकार कर सकती है। गोयल ने बताया कि भारत के मौजूदा व्यापार समझौतों ने देश को 70 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक जीडीपी वाले बाजारों तक वरीयता प्राप्त पहुंच प्रदान की है। इनमें से लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर की पहुंच पुराने समझौतों से मिली,



जबकि हाल के वर्षों में संपन्न नौ नए व्यापार समझौतों के जरिए 60 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त बाजार पहुंच प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दुनिया में व्यापार वृद्धि दर केवल 1.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसके बावजूद भारत ने चालू वर्ष में 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि यह लक्ष्य भारतीय निर्यातकों, उद्योग संगठनों और व्यावसायिक समुदाय के आत्मविश्वास को दर्शाता है।

मुंबई। पुराने सदाबहार गानों का जादू कभी खत्म नहीं होता। कुछ गीत ऐसे होते हैं, जो पीढ़ियां बदलने के बाद भी लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाए रखते हैं। ऐसा ही एक मशहूर गीत है किशोर कुमार का नखरेवाली। अब करीब 70 साल बाद यह गीत एक बार फिर नए अंदाज में दर्शकों के बीच आने का राह है। फिल्ममेकर आनंद एल राय अपनी आगामी फिल्म नखरेवाली में इस क्लासिक गाने को नए रंग और नए संगीत के साथ पेश करने जा रहे हैं।

किशोर कुमार की आवाज को भी रखो जाएगा बरकरार- आनंद एल राय के मुताबिक, जब उन्होंने फिल्म नखरेवाली की कल्पना

70 साल बाद फिर लौटेगा किशोर कुमार का जादू

नखरेवाली में नए अंदाज में सुनाई देगा गाना

की, तभी उन्हें लगा कि किशोर कुमार का यह गाना फिल्म की कहानी और मिजाज के साथ बिल्कुल मेल खाता है। इसलिए इसे फिल्म का हिस्सा बनाने का फैसला किया गया। उन्होंने बताया कि गाने को नए अंदाज में तैयार किया गया है, लेकिन इसमें किशोर कुमार की पुरानी आवाज की रिकॉर्डिंग भी शामिल की गई है। उनका मानना है कि किशोर कुमार की आवाज में ऐसी खूबसूरती, गर्मजोशी और शरारत है, जो कभी पुरानी नहीं हो सकती।



प्रियंकित जायसवाल की

आवाज में नया अंदाज

गाने के नए संस्करण में प्रियंकित जायसवाल की आवाज के साथ किशोर कुमार की पुरानी रिकॉर्डिंग सुनाई देगी। इसके नए बोल वायु ने लिखे हैं, जबकि संगीत वायु और वैभव पानी ने तैयार किया है। खास बात यह है कि इसमें शंकर-जयकिशन की मूल संगीत रचना को भी बरकरार रखा गया है। मूल नखरेवाली गीत साल 1956 में रिलीज हुई फिल्म नई दिल्ली का हिस्सा था। इसे किशोर कुमार ने गाया था।



स्विट्जरलैंड का अनोखा ‘S गांव’

स्विट्जरलैंड के फालैंडन में स्थित ‘S’ आकार वाला गांव अपनी खास वास्तुकला के लिए चाचर्चा में है। ये मशहूर आर्किटेक्ट फिट्ज श्वार्ट्ज के गोलाकार गांव से प्रेरित है। इसमें जगह की बचत होती है, हर घर को सूरज की रोशनी मिलती है। सामने दूसरा मकान रुकावट नहीं बनता। बीच का पूरा हिस्सा एक बड़े और हरे-भरे आंगन की तरह है।

न्यूज विंडो

‘स्टिंग ऑपरेशन’ पर कांग्रेस खूब, अल्ट्रा को पार्टी से निकाला

बंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने राज्य के कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने वाले एक स्टिंग ऑपरेशन में शामिल होने के आरोपों के चलते पार्टी की पूर्व महासचिव कृपा अल्ट्रा को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। केपीसीसी के उपाध्यक्ष एम. नारायणस्वामी द्वारा जारी निष्कासन आदेश में कहा गया है कि मीडिया में आई नकारात्मक खबरों और प्रतिक्रियाओं के कारण इस विवाद से पार्टी को भारी असहजता और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। आदेश के अनुसार, ‘चूँकि इस स्टिंग ऑपरेशन मामले में आपका नाम सामने आया है और इस मामले में आपका आचरण पार्टी विरोधी गतिविधियों के दायरे में आता है, इसलिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर आपको छह साल की अवधि के लिए तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है।’ पार्टी के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि इस मामले में भूमिका को लेकर कृपा अल्ट्रा को पहले कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। हालांकि, उनकी ओर से अब तक कोई जवाब या स्पष्टीकरण दाखिल नहीं किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने इस अपमानजनक वीडियो के पीछे कृपा अल्ट्रा का हाथ बताया था। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया संस्थानों द्वारा इस वीडियो के प्रसारण और प्रकाशन पर अदालत से रोक भी हासिल कर ली थी।

धनबाद आईआईटी में छात्र ने हॉस्टल से कूदकर दे दी जान

धनबाद, एजेंसी। आइआईटी (आइएसएम) धनबाद में शनिवार सुबह साढ़े आठ एक दुःखद घटना सामने आई। बोटक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर के छात्र माने प्रतीक राजकुमार ने हॉस्टल की आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद संस्थान परिसर में अफरा-तफरी मच गई। माने प्रतीक राजकुमार महाराष्ट्र का रहने वाला था। मामले की जानकारी मिलने के बाद संस्थान के हॉस्टल वार्डन, सुरक्षा अधिकारी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर व संस्थान के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और आनन फानन में अस्पति अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। वह एक्वामरीन हॉस्टल में रहता था। संस्थान की ओर से माने प्रतीक राजकुमार के परिजन को घटना की सूचना दे दी है। फिलहाल कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में उसके दोस्तों व अन्य छात्रों से पता चला है कि आत्महत्या का मामला निजी था और घर से जुड़ा हुआ है। धनबाद थाना पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। माता-पिता व अन्य स्वजन के आने के बाद ही पूरा मामला प्रकाश में आएगा। बता दें, सितंबर 2018 में आइआईटी आइएसएम से पीएचडी कर रहे छात्र रंजन राय ने फांसी लगाकर खुदकशी की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रहा था और यूपी के मुरादाबाद का रहने वाला था। जैसपर हॉस्टल के डी ब्लाक में रहता था। उसने भी आत्महत्या कर ली थी।

खौफनाक: किसी बात पर हुई कहासुनी और बच्चे ने कर दी आपराधिक वारदात

आठ साल के बच्चे ने छह साल की बच्ची का सिर बेंच पर पटक़ा; ईटें मारी, आधे घंटे तक पीटता रहा

पंचकूला, एजेंसी। स्कूलों को बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित जगह माना जाता है, लेकिन पंचकूला के सरकारी स्कूल में हुई घटना ने इस भरोसे को तार-तार कर दिया है। स्कूल के 8 साल के बच्चे पर 6 साल की सहपाठी के साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना 28 अक्टूबर की है। आरोप है कि बच्चा बहाने से बच्ची को पहली मंजिल पर बने खाली क्लास रूम में ले गया। वहां उसका सिर बेंच पर पटक़ा। लातों से पीटा। ईट से सिर व चेहरे पर कई वार किए। बच्ची बेहोश हो गई तो वह उसे कमरे में छोड़कर नीचे चला गया। गंभीर घायल बच्ची पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती है।



बताते हैं, शिक्षकों की कमी से प्ले क्लास में पढ़ने वाली बच्ची और बच्चा एक ही कक्षा में बैठते थे। घटना से पहले दोनों में किसी बात पर कहासुनी हुई थी। इसके बाद बच्ची टॉयलेट की ओर जाने लगी तो बच्चा भी उसके पीछे चला गया। छुट्टी के बाद जब ऑटो चालक को बच्ची नहीं मिली तो उसने पिता को सूचना दी। पिता ने स्कूल पहुंचे, तब किसी बच्चे ने बताया, वह घायल पड़ी है।

जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट के विस्तार के बाद सियासी भूचाल

उमर सरकार में 21 विधायक नाराज, 4 मंत्रियों को हटाने की उठी मांग

श्रीनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों में उपजा आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री और विधायक कैसर जमशेद लोन के निवास पर नेका के 21 नाराज विधायकों ने बैठक की। सूत्रों के अनुसार, बैठक में कई प्रस्ताव पास किए गए। इनमें विधायकों ने कथित तौर पर चार मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी और कोषाध्यक्ष शम्मी ओबराय को हटाने की मांग की। विधायकों ने



कहा कि जिन मंत्रियों का कार्यकाल दो वर्ष हो चुका है, उन्हें पदमुक्त कर उनके स्थान पर अन्य विधायकों को मौका दिया जाए। श्रीनगर के डाचिगाम में जून में नेका की बैठक में लिए निर्णय भी लागू हों। विधायक नजीर गुरेजी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई, जो अध्यक्ष फारूक व सीएम को प्रस्ताव सौंपेगी।

मेट्रो एंकर

एसआईआर खत्म होने का मतलब मतदाता सूची फ्रीज होना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेशल इंटेसिव रिवीजन’ (एसआईआर) पूरा होने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता सूची को ‘फ्रीज’ (नए अपडेट पर रोक) कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ राज्यों में एसआईआर की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान ये कहा। केरल, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, कोर्ट ने समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया। हटे नाम दुबारा जोड़े जा सकेंगे मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की बेंच के फैसले से ये साफ हो गया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटे नाम दुबारा जोड़े जा सकते हैं। इससे लाखों लोगों को वोट डालने के अधिकार से वंचित होने से रोका जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि समय बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।



चुनाव में नामांकन दाखिल होने तक जोड़े जा सकते हैं नाम वरिष्ठ वकील डी. एस. नायडू ने बताया कि लोग एसआईआर के बाद भी अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल होने तक नाम जोड़े जा सकते हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में ‘फॉर्म 7’ स्वीकार करने में गड़बड़ी की थी।

दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई

आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुधार के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं। आयोग ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का भी आशवासन दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अनुमति दी कि वे चुनाव आयोग के सामने गड़बड़ियों को उठा सकते हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि केरल में एसआईआर का काम फरवरी में पूरा हो गया था। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में इसी मतदाता सूचियों का इस्तेमाल किया गया था। वकील जी. प्रकाश के माध्यम से सीपीएम ने कहा कि अभी भी 24 लाख मतदाता सूची से बाहर हैं।

सरदार पटेल जयंती... पीएम पहुंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

लौहपुरुष को श्रद्धांजलि, कहा-उनका योगदान प्रेरणादायक

अहमदाबाद, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी। मोदी एकता नगर (केवडिया) में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने रेन फॉरेस्ट और वामन वृक्ष वाटिका का दौरा किया। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश की रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का नक्शा तैयार किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी सरदार पटेल को याद किया। दोनों ने नई दिल्ली के सरदार पटेल चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की

एकता नगर में 400 करोड़ से होगा विकास

प्रधानमंत्री मोदी ने एकता नगर में 400 करोड़ रुपए ज्यादा की विकास योजनाओं की शुरुआत की। इनमें सीवेज और जल शोधन संयंत्र, प्रकाश व्यवस्था, नर्मदा घाट के विकास, IRCTC होटल और रेनफॉरेस्ट, यूनिटी और इको ट्रेल शामिल हैं।



400 करोड़ के प्रोजेक्ट लॉन्च किए

अखंड भारत का शिल्पकार बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, ‘उनकी जयंती पर अखंड भारत के शिल्पकार और राष्ट्र के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को सादर नमन। उन्होंने अपना जीवन एक मजबूत, समृद्ध और सक्षम भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। मातृभूमि की सेवा में उनका त्याग और समर्पण विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए गहरी प्रेरणा का स्रोत है।’

दिल्ली-काशी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू, मोदी बोले-ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली। दिवाली से पहले उत्तर प्रदेश के रेल यात्रियों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन आज होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन की शुरुआत को दिल्ली और काशी के बीच रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के शुरू होने से न केवल यात्रियों के समय की बचत होगी, बल्कि उनका सफर भी पहले से बेहतर होगा। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस यह देश की दूसरी वंदे भारत

स्लीपर ट्रेन है। एकता दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश को मिलने वाली इस सौगात को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत को ख़ास बताया। उन्होंने लिखा, ‘दिल्ली और काशी के बीच रेल यात्रा करने वालों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। काशी-दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से समय की बचत के साथ ही उनका अनुभव बेहतर होने

वाला है। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से सुसज्जित यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है।’

16 एसी कोच, 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। इसमें कुल 16 वातानुकूलित कोच होंगे। ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 180 किलोमीटर प्रति घंटे बताई गई है। यह वाराणसी से रात 8:50 बजे चलेगी। अगले दिन सुबह 5:55 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

पंजाब में आप ने फूँका चुनावी बिगुल

40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी, सीएम मान धुरी से लड़ेंगे

चंडीगढ़। एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। नई दिल्ली में पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में नामों पर अंतिम मुहर लगा दी गई। सूची सीएम भगवंत मान ने जारी की। इसमें 40 उम्मीदवारों के नाम हैं। सीएम भगवंत मान का नाम पहली सूची में शामिल है। मान धुरी से चुनाव लड़ेंगे। बटाला से शैरी कलसी, अजनाला से कुलदीप धालीवाल, तरनतारन से हरमीत सिंह संधू, अमृतसर साउथ से डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर, खेमकरण से सरवण सिंह धुन, नकोदर से इंदरजीत कौर मान, करतारपुर से बलकार सिंह, दसूहा से करमबीर सिंह घुमन, उडमुड़ से जसवीर सिंह राजा गिल को टिकट मिला है।

होशियारपुर से ब्रह्मशंकर जिंजा, चम्बेवाल से इंशाक कुमार चम्बेवाल, गढ़शंकर से जयकिशन सिंह रोड़ी, बलाचौर से संतोष कटारिया, रूपनगर से दिनेश चड्ढा, मोहाली से कुलवंत सिंह, फतेहगढ़ साहिब से लखबीर सिंह राय चुनाव मैदान में उतरेंगे।



केजरीवाल के आवास पर बैठक

‘आप’ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बैठक में सभी के नाम तय किए गए। इसके अनुसार, अमलोह से गुरिंदर सिंह गैरी, समराला से जगतार सिंह दयालपुरा, लुधियाना ईस्ट से दलजीत सिंह गेवाल भोला, आत्मनगर से कुलवंतसिंह संधू, लुधियाना सेंट्रल से अशोक पराशर पप्पी, लुधियाना वेस्ट से संजीव अरोड़ा, लुधियाना नॉर्थ से चौधरी मदन लाल बग्गा, पायल से मनविंदर सिंह ग्यासपुरा, निहालसिंह वाला से मनजीत सिंह बिलासपुर, बाघापुराना से अमृतपाल सिंह सुखानंद, मोगा से अमनदीप कौर अरोड़ा, धर्मकोट से दविंदरजीत सिंह लाड़ी, जलालाबाद से जगदीप गोल्ली कंबोज, फाजिल्का से नरिंदरपाल सिंह सवाना, मुक्तसर से जगदीप सिंह काका बराड़, कोटकपुरा से कुलतार सिंह संधवा, जैतो से अमोलक सिंह, तलवंडी साबो से बलजिंदर कौर को उम्मीदवार बनाया।

नाम जुड़वाने और हटवाने की प्रक्रिया रहेगी जारी: सुप्रीम कोर्ट

एसआईआर खत्म होने का मतलब मतदाता सूची फ्रीज होना नहीं



चुनाव में नामांकन दाखिल होने तक जोड़े जा सकते हैं नाम वरिष्ठ वकील डी. एस. नायडू ने बताया कि लोग एसआईआर के बाद भी अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल होने तक नाम जोड़े जा सकते हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में ‘फॉर्म 7’ स्वीकार करने में गड़बड़ी की थी।

दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई

आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुधार के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं। आयोग ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का भी आशवासन दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अनुमति दी कि वे चुनाव आयोग के सामने गड़बड़ियों को उठा सकते हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि केरल में एसआईआर का काम फरवरी में पूरा हो गया था। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में इसी मतदाता सूचियों का इस्तेमाल किया गया था। वकील जी. प्रकाश के माध्यम से सीपीएम ने कहा कि अभी भी 24 लाख मतदाता सूची से बाहर हैं।